संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 291
पृष्ठ 8
शनिवार
11 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– छोटी-छोटी भूख के लिए फटाफट..

विचार– उत्तरप्रदेश की राह पर बंगाल

खेल– टी20 में भारतीय टीम की लगातार...

बस्ती में मुख्यमंत्री योगी ने कहा–

राम भक्तों पर गोलियां चलवाने वाले माफी मांगें

बस्ती,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को बस्ती जिले के हरैया पहुंचे। उन्होंने सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। योगी ने कहा– पहले जो पैसा कब्रिस्तानों में खर्च होता था, वह अब भदेश्वर और तपसी धाम में लगाया जा रहा है। पहले वक्फ बोर्ड के नाम पर पैसा लूटा जाता था। सपा, बसपा और कांग्रेस वक्फ के नाम पर गरीबों को उजाड़ते थे। हमने उन्हें बसाने का काम किया है।

योगी ने कहा– बस्ती में 84 कोसी, 5 कोसीय परिक्रमा को सपा रोकती थी। हम परिक्रमा मार्ग बनवा रहे हैं। हमारी सरकार रोकती नहीं है, रोकने वालों को टोकती है। कोई सोचता था कि भदेश्वर नाथ मंदिर का उद्धार होगा? आज यूपी में 1600 मंदिरों का पुनरुद्धार हो रहा है। सीएम ने हरैया और कप्तानगंज विधान

सभा क्षेत्रों के लिए 504 करोड़ से अधिक की 77 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया। इसके साथ आवास योजना और ऋण योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र बांटे। हरैया के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में जनसभा को संबोधित किया। बस्ती में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष के घर पर जबरदस्ती कब्रिस्तान के नाम पर कब्जा हो रहा था। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी। वो एक दिन गोरखपुर आए। मैं गोरखपुर का सांसद था। उन्होंने मुझसे मदद मांगी। मैंने कहा कि तुम जिलाध्यक्ष हो, तुम्हारी सरकार है और तुम कब्जे को नहीं रोक पा रहे हो। इसपर जवाब मिला कि साहब लखनऊ में बैठे लोगों को केवल कब्रिस्तान दिखाई देता है। इनको हम जैसे लोग नहीं दिखाई देते। फिर मैंने कार्यकर्ताओं को भेजकर कब्रिस्तान के नाम पर हो रहे कब्जे को हटवाया था। सपा जिलाध्यक्ष की जमीन कब्जा होने से हम लोगों ने बचाई थी।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जन्मस्थली का सौभाग्य बस्ती को मिला है। विकास कैसे होना चाहिए, इसकी पैरवी सांसद और विधायक ही करते हैं। मखौड़ा धाम, तपेश्वर धाम और कर्ण मंदिर का काम भी कराया जा रहा है। सपा सरकार में कर्ण मंदिर को लेकर विवाद पैदा किया गया था। हमने उसे खत्म कराया। अब भव्य कर्ण मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। ये लोग विकास के नाम पर डकैती डालते थे। सपा सरकार में सिर्फ कागजों पर परियोजनाएं चलती थीं। बस्ती में हम सीएम कंपोजिट स्कूल बनवा रहे हैं। हरैया में भी यह बनने जा रहा है। एक स्कूल पर 27 से 30 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। सपा के लोगों का पढ़ाई–लिखाई से कोई मतलब नहीं था। ये लोग नकल को अपना अधिकार समझते थे। नकल करवाकर इन्होंने युवाओं का भविष्य बर्बाद किया। सपा के समय बिजली नहीं आती थी। लोग तारों पर कपड़े सुखाते थे। आप बिजली के लिए तरसते थे और ये लोग सैफई में मुंबई से कलाकार बुलाकर नचवाते थे। ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का काम सपाइयों ने किया था। कर्ण मंदिर का विवाद भी सपाइयों ने ही खड़ा किया था। ये डराते थे कि अयोध्या में मंदिर बना तो खून की नदियां बहेंगी। हमने कहा था कि एक मच्छर भी नहीं मरेगा। सुमेरपुर में हमने भगवान राम और निषादराज की प्रतिमा स्थापित कराकर वहां का सुंदरीकरण कराया है। सपा चार बार सत्ता में रही। कांग्रेस ने भी यूपी में सबसे अधिक समय तक शासन किया, लेकिन गरीबों को उनका घर नहीं मिला। इनके समय में किसान को बिजली मिले या न मिले, लेकिन बिल जरूर मिलता था। आज कोई किसान या बटाईदार आपदा का शिकार होता है तो उसे तत्काल सहायता राशि दी जा रही है। जिस तेजी से हरैया में विकास हुआ है, वैसा आजादी के बाद पहली बार हुआ है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को मिली मंजूरी

17 जुलाई को हो सकता है शुभारंभ

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन के संचालन को औपचारिक मंजूरी दे दी है। हरियाणा के जींद–सोनीपत रेलखंड पर चलने वाली इस अत्याधुनिक ट्रेन का उद्घाटन 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जाने की संभावना है। यह परियोजना रेलवे के स्वच्छ ऊर्जा और कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। उत्तरी रेलवे के अंतर्गत जींद–सोनीपत खंड को इस परियोजना के लिए पायलट कॉरिडोर के रूप में चुना गया है। दस डिब्बों वाली इस ट्रेन को पूरी तरह देश में ही डिजाइन और विकसित किया गया है। 1200 किलोवाट क्षमता वाली हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणाली से संचालित यह ट्रेन अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेगी। ब्रॉड गेज प्लेटफॉर्म पर निर्मित यह ट्रेन 10 कोचों के साथ वर्तमान में विश्व की सबसे लंबी हाइड्रोजन–संचालित यात्री ट्रेन मानी जा रही है। इसके संचालन के लिए जींद में स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण और रीफ्यूलिंग स्टेशन भी स्थापित किया गया है। हाइड्रोजन गैस के सुरक्षित भंडारण और आपूर्ति के लिए आवश्यक लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। स्टेशन पर गैस रिसाव का पता लगाने वाले सेंसर, फ्लेम डिटेक्टर और अन्य निगरानी उपकरण लगाए गए हैं। इसके अलावा बैकअप कंप्रेसर और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था भी की गई है, जिससे संचालन पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद रहे। हाइड्रोजन फ्यूल सेल में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक क्रिया से बिजली उत्पन्न होती है। इस प्रक्रिया में केवल जलवाष्प निकलती है, जिससे यह पारंपरिक डीजल आधारित ट्रेनों की तुलना में कहीं अधिक पर्यावरण–अनुकूल विकल्प बन जाती है।

158 वर्ष बाद अरुणाचल प्रदेश में फिर दिखा दुर्लभ हिमालयी पुष्प सियानैंथस हूकेरी

ईटानगर,एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण वनस्पति खोज करते हुए दुर्लभ हिमालयी पुष्प सियानैंथस हूकेरी को 158 वर्ष बाद भारत में पुनः दर्ज किया है। यह प्रजाति भारत में अंतिम बार वर्ष 1867 में सिक्किम में दर्ज की गई थी। इस खोज ने पूर्वी हिमालय की समृद्ध जैव विविधता को एक बार फिर वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के वैज्ञानिकों ने सितंबर 2025 में तवांग जिले के मागो गांव के निकट चुना घाटी में लगभग 3600 मीटर की ऊंचाई पर इस पौधे को खोजा। अल्पाइन घास के मैदानों और पथरीली ढलानों पर इसके कुछ ही पौधे पाए गए। शोधकर्ताओं ने नमूनों को सुरक्षित कर केंद्रीय राष्ट्रीय हर्बेरियम, हावड़ा में जमा कराया है। घंटी के आकार के बैंगनी–नीले फूलों वाला यह छोटा शाकीय पौधा कठोर पर्वतीय परिस्थितियों के अनुकूल है। यह प्रायः अगस्त और सितंबर के बीच खिलता है तथा पूर्वी हिमालय के सीमित क्षेत्रों में ही पाया जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, भारत में इस प्रजाति के 50 से भी कम परिपक्व पौधे शेष हैं। इसी कारण शोधकर्ताओं ने इसे देश में आईयूसीएन मानकों के अनुसार 'संकटग्रस्त' श्रेणी में रखने की सिफारिश की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके आवास की सुरक्षा, विस्तृत सर्वेक्षण और बीज संरक्षण जैसे कदम आवश्यक होंगे। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने इस खोज का स्वागत करते हुए इसे भारत की वनस्पति विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। यह पुनः खोज इस बात का संकेत है कि देश के दूरस्थ हिमालयी क्षेत्रों में अभी भी अनेक दुर्लभ प्रजातियां खोजे जाने की प्रतीक्षा में हैं।

अमरनाथ यात्रा के बीच बड़ा हादसा, वाहन पलटने से 6 श्रद्धालु घायल, एक की हालत गंभीर

जम्मू,एजेंसी। अमरनाथ तीर्थयात्रियों को लेकर जा रहा एक वाहन शुक्रवार को उधमपुर जिले में जम्मू श्रीनगर राजमार्ग पर पलट गया। इस घटना में छह श्रद्धालु घायल हो गए जिनमें से एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि हादसा राजमार्ग के उधमपुर–चेनानी खंड में टोल्डी नाले के पास हुआ जब पहलगाम आधार शिविर जा रहे तीर्थयात्रियों का वाहन सड़क से फिसलकर पलट गया। घायल तीर्थयात्री मध्य प्रदेश के रीवा जिले के बैकुंठपुर के रहने वाले हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सेना, नागरिक रक्षा, यातायात पुलिस और जम्मू कश्मीर पुलिस के जवानों ने उन्हें बचाया और उधमपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल पहुंचाया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि एक तीर्थयात्री गंभीर रूप से घायल था और उसे जीएमसी जम्मू भेजा गया जबकि शेष पांच तीर्थयात्रियों की हालत स्थिर है और उनका इलाज जीएमसी उधमपुर में हो रहा है। सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उधमपुर के टोल्डी नाला के पास हुई एक सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट मिली है, जिसमें मध्य प्रदेश के रीवा से आए अमरनाथ जी यात्रा के छह तीर्थयात्री शामिल थे। श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन के लिए पहलगाम आधार शिविर जा रहे थे, तभी उनका वाहन सड़क से फिसल गया। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जम्मू के संभागीय आयुक्त, उधमपुर के उपायुक्त और जीएमसी जम्मू व जीएमसी उधमपुर के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे घायलों को हर संभव बेहतर इलाज मुहैया कराएं। उपराज्यपाल ने कहा, मैं भगवान शिव से उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। उधमपुर–रियासी रेंज के पुलिस उप–महानिरीक्षक (डीआईजी) शिव कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अमृतपाल सिंह, उपायुक्त (डीसी) मिंगा शेरपा और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कमांडेंट मनोज सिकोन ने जीएमसी उधमपुर का दौरा किया और घायल तीर्थयात्रियों से मुलाकात की।

अधिक अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे की होगी अनिवार्यता : सरकार

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल (इथेनॉल) युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों (दवाओं) के नियमन को सख्त कर दिया। सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर (अर्क) जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची–के के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी। हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है।

सीएम विजय ने करूर त्रासदी के घाव को किया याद, बोले– यह दर्द कभी नहीं भूलेंगे

चेन्नई,एजेंसी। करूर में मची भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी और जिसका असर राज्य विधानसभा चुनाव पर भी पड़ा था, उसके नौ महीने बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय शुक्रवार को शहर लौटे। उन्होंने इस त्रासदी में अपनी भूमिका का बचाव किया, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए और पिछली डीएमके सरकार पर तीखा हमला किया। मुख्यमंत्री के तौर पर करूर के अपने पहले दौरे पर पीड़ितों के परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए, विजय ने भावुक होकर उस त्रासदी को याद किया और कहा कि उस नुकसान का बोझ आज भी उनके मन पर भारी है। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार करूर के दौरे पर आए उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितनी भी ऊंचाइयों पर क्यों न पहुंच जाए, मानसिक रूप से कुछ ऐसे घाव और चोटें होती हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम कई तरह की चोटों और घावों से उबरकर ही यहां तक पहुंचे हैं। लेकिन इन सबसे बुरा, वह घाव और दर्द जिसने मुझे सबसे ज्यादा तकलीफ दी, वह करूर की घटना थी। विजय ने कहा कि पिछले साल करूर का उनका दौरा ट्रिची के लोगों तक पहुँचने और उनकी समस्याओं के बारे में आवाज उठाने का हिस्सा था। उन्होंने बताया कि अरियालुर में एक मीटिंग खत्म करने के बाद पेरम्बलुर पुलिस ने उन्हें वहाँ जमा भारी भीड़ के बारे में आगाह किया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें बताया गया था कि देर हो रही है और उन्हें वहाँ नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारे पास कोई चारा नहीं था। जब पुलिस हमें कुछ कहती है, तो हमें उनकी बात माननी ही पड़ती है, है ना? साथ ही, पेरम्बलुर के लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम भारी मन से वापस लौट आए। विजय ने अपनी पार्टी पर मौतों का आरोप लगाते हुए इसे खारिज कर दिया और तर्क दिया कि भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी पुलिस की थी।

वांगचुक बोले, जबरन हटाने की कोशिश हुई तो आंदोलन और तेज होगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार को कहा कि उनके अनिश्चितकालीन उपवास का 13वां दिन होने पर उनकी भूख स्थिर हो गई है। उन्होंने जोर दिया कि उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाने की कोशिश करके उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। वांगचुक जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के लिए सरकार की जवाबदेही की मांग को लेकर शुरू हुआ यह प्रदर्शन 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। वांगचुक ने पत्रकारों से कहा, आज 13वां दिन है। मैं ठीक महसूस कर रहा हूं। मेरी भूख अब स्थिर हो गई है। शुरुआती दिन मुश्किल होते हैं क्योंकि शरीर उपवास के हिसाब से ढल रहा होता है। थोड़ी थकान है, लेकिन बाकी सब ठीक है। स्वास्थ्य बिगड़ने की स्थिति में प्रशासन के हस्तक्षेप की संभावना के संबंध में पूछे गए सवाल पर वांगचुक ने कहा कि वह अपनी इच्छा से प्रदर्शन स्थल पर मौजूद हैं और उन्हें वहां से हटाने का प्रशासन के पास कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वे मुझे हटाने की कोशिश क्यों करेंगे। मैं अपनी इच्छा से यहां आया हूं और मेरी जान को कोई खतरा नहीं है। अगर वे मुझे यहां से हटाते हैं, तो यह हमारे अधिकारों का उल्लंघन होगा।

नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार की शिकायत पर कटरा के एक होटल में पुलिस ने मारा छापा, मचा हड़कंप

प्रयागराज। नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार की शिकायत पर पुलिस ने कटरा में बैंक रोड पर स्थित एक होटल में छापा मार दिया है। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर मौजूद है। महिला पुलिस को भी मौके पर बुला लिया गया है। नाबालिग लड़कियों से देह व्यापार की शिकायत पर पुलिस ने कटरा में लक्ष्मी टाकीज रोड पर स्थित एक होटल में छापा मार दिया है। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर मौजूद है। महिला पुलिस को भी मौके पर बुला लिया गया है। होटल के सभी कमरो की तलाशी जारी है और लड़कियों का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि चाइल्ड लाइन ने होटल में नाबालिगों का यौन शोषण होने की शिकायत पुलिस से की थी। इसके बाद पुलिस ने यहां पर अचानक छापा मार दिया है। बैंक रोड से लक्ष्मी टाकीज जाने वाली सड़क पर स्थित एक होटल का मामला बताया जा रहा है। मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट से सराफा बाजार में लौटी रौनक, मांग में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी

प्रयागराज। सोने–चांदी की कीमतों में गिरावट ने सराफा बाजार के समीकरण बदल दिए हैं। ऊंचे भाव के कारण खरीदारी टाल रहे ग्राहक और निवेशक अब बाजार का रुख कर रहे हैं। स्थानीय कारोबारियों के मुताबिक, कीमतों में आई नरमी के बाद मांग में करीब 20 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। सोने–चांदी

की कीमतों में गिरावट ने सराफा बाजार के समीकरण बदल दिए हैं। ऊंचे भाव के कारण खरीदारी टाल रहे ग्राहक और निवेशक अब बाजार का रुख कर रहे हैं। स्थानीय कारोबारियों के मुताबिक, कीमतों में आई नरमी के बाद मांग में करीब 20 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। बाजार के जानकारों का कहना है कि कई महीनों से लोग दुकानों पर कीमत पूछकर लौट जाते थे लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। अब ग्राहक दुकानों पर ही तुरंत खरीदारी के फैसले ले रहे हैं। सराफा कारोबारी अमिताभ टंडन बताते हैं कि नवंबर–दिसंबर में होने वाली शादियों के लिए ज्वेलरी बनाने के एडवांस ऑर्डर मिलने शुरू हो गए हैं। कारीगर आरएम शर्मा ने बताया कि इससे न सिर्फ काम बढ़ा है बल्कि कुछ हद तक रोजगार का संकट भी दूर हुआ है। उधर, अल्लापुर के बृजेश श्रीवास्तव बताते हैं कि सोने के दाम कम होते ही बिना देर किए नवंबर में बेटी की शादी के लिए लाइट ज्वेलरी खरीदी। इसी तरह हिम्मतगंज के उत्कर्ष कहते हैं कि सही समय पर भांजी के लिए अंगूठी खरीदी है। प्रयागराज ज्वेलर्स एसोसिएशन के दिनेश सिंह ने बताया कि ग्राहक पुराने गहनों को एक्सचेंज करने के साथ हल्के वजन वाली नई ज्वेलरी भी खरीद रहे हैं। प्रयाग सराफा मंडल के अध्यक्ष संजय वर्मा कहते है कि आने वाले हफ्तों में बिक्री के आंकड़े और बेहतर होने की उम्मीद है।

बारिश से शास्त्री पुल पर मरम्मत कार्य प्रभावित, आवागमन में दिक्कत

प्रयागराज। प्रयागराज और वाराणसी को जोड़ने वाले शास्त्री पुल के दारागंज–झूंसी लेन की सड़क का मरम्मत कार्य बृहस्पतिवार को बारिश के कारण प्रभावित हुआ। लगभग डेढ़ घंटे की मूसलाधार बारिश से निर्माण सामग्री भीग गई। प्रयागराज और वाराणसी को जोड़ने वाले शास्त्री पुल के दारागंज–झूंसी लेन की सड़क का मरम्मत कार्य बृहस्पतिवार को बारिश के कारण प्रभावित हुआ। लगभग डेढ़ घंटे की मूसलाधार बारिश से निर्माण सामग्री भीग गई। पुल पर रखी गिट्टी की छोटी छर्रियां सड़क पर फैल गईं। इससे दो और चार पहिया वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कत हुई। प्रभावित लेन पर रह–रहकर जाम भी लगता रहा, जिससे राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ी। लोक निर्माण विभाग के सामने मानसून एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। शास्त्री पुल के दारागंज–झूंसी लेन पर 2200 मीटर लंबी सड़क की मरम्मत का कार्य चार जून से शुरू हुआ था। इस कार्य को 15 जुलाई तक पूरा करने की समय सीमा तय की गई है। हालांकि, अभी भी काफी काम बचा हुआ है। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क निर्माण का कार्य पिछड़ता दिख रहा है। बृहस्पतिवार को सुबह से शाम तक कई चरणों में हुई बारिश से पुल के प्रभावित लेन पर कई जगहों पर जलभराव हो गया। सड़क निर्माण की सामग्री बारिश से काफी हद तक भीग गई थी। पुल के किनारे रखी गई गिट्टी की छोटी छर्री बिखरकर आधी सड़क तक फैल गई। सड़क निर्माण में लगी मशीनें भी पानी से तर–बतर हो गईं। सड़क पर गिट्टी की छर्री बिखरी होने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई। भारी बारिश के कारण प्रभावित लेन पर जाम जैसे हालात बने रहे, जिससे दो और चार पहिया वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े। लोक निर्माण विभाग खंड तीन के सहायक अभियंता केएस श्रीवास्तव ने बताया कि कुछ देर की बारिश से निर्माण कार्य पर खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रात आठ बजे के बाद ब्लॉक मिलने पर दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि, बारिश के कारण रात नौ बजे तक सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया था।

आत्महत्या करने वाले कर्मचारी के आश्रित को क्षतिपूर्ति का लाभ नहीं, याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी ने आत्महत्या की हो तो उसे सेवा के दौरान दुर्घटना मानकर कर्मचारी क्षतिपूर्ति का लाभ नहीं दिया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अनिल कुमार–दशम की एकल पीठ ने कर्मचारी क्षतिपूर्ति आयुक्त के आदेश को बरकरार रखते हुए बिजनौर निवासी महिला की याचिका खारिज कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी कर्मचारी ने आत्महत्या की हो तो उसे सेवा के दौरान दुर्घटना मानकर कर्मचारी क्षतिपूर्ति का लाभ नहीं दिया जा सकता। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अनिल कुमार–दशम की एकल पीठ ने कर्मचारी क्षतिपूर्ति आयुक्त के आदेश को बरकरार रखते हुए बिजनौर निवासी महिला की याचिका खारिज कर दी। संजीव कुमार बिजनौर स्थित गंगा शुगर वर्क्स में गार्ड थे। सात जनवरी 2008 की रात गोली लगने से उनकी मौत हो गई थी। पत्नी और दो बच्चों ने दावा किया कि ड्यूटी पर रहने के दौरान अज्ञात व्यक्ति के गोली मारने से उनकी मौत हुई।

प्रयागराज एक्सप्रेस की क्लोन दादरी स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की तैयारी

प्रयागराज। प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विस चुनाव को देखते हुए रेलवे प्रयागराज जंक्शन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से चलने वाली कई वीआईपी और डिमांडिंग स्पेशल ट्रेनों को नियमित करने की योजना बना रहा है।

प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विस चुनाव को देखते हुए रेलवे प्रयागराज जंक्शन और सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से चलने वाली कई वीआईपी और डिमांडिंग स्पेशल ट्रेनों को नियमित करने की योजना बना रहा है। इसी क्रम में रेलवे बोर्ड प्रयागराज एक्सप्रेस की क्लोन दादरी स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की अंतिम रूपरेखा तैयार कर चुका है।

इसके नियमित होने से दिल्ली–एनसीआर की ओर रुख करने वाले दैनिक और कामकाजी यात्रियों को एक बड़ा विकल्प मिल जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद ट्रेन के समय और फेरों में भी आवश्यक सुधार किए जाएंगे। वर्तमान में इन दोनों स्टेशनों से बंगलूरू, उधना, सूरत, दादर, गांधीग्राम और वलसाड के लिए स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं। इनके फेरे भी बढ़ाए जा रहे हैं। इन रूटों पर सालभर वेटिंग लिस्ट रहती है।

प्रयागराज से संचालित कई स्पेशल ट्रेनों को स्थायी करने का प्रस्ताव भेजा गया है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में गुजरात और महाराष्ट्र की ओर जाने वाली कई स्पेशल ट्रेनों को नियमित ट्रेन का दर्जा मिल जाएगा। – प्रवीण पटेल, सांसद फूलपुर

हडपसर, उधना और शेखपुरा स्पेशल के बढ़े फेरे

कुछ और स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ाए गए हैं। उधना(सूरत)–मधुबनी, उधना–झंझारपुर, आनंद विहार–शेखपुरा एवं गाजीपुर–हडपसर (पुणे) के नाम शामिल हैं। गाड़ी संख्या 09045 उधना–मधुबनी प्रत्येक रविवार 12 से 26 जुलाई तक व 09046 मधुबनी–उधना प्रत्येक सोमवार 13 से 27 जुलाई तक के लिए बढ़ाई गई है। 09047 उधना–झंझारपुर भी प्रत्येक रविवार 12 से 26 जुलाई, 09048 झंझारपुर–उधना प्रत्येक सोमवार 13 से 27 जुलाई तक के लिए बढ़ाई गई है। 04070 आनंद विहार–शेखुपरा को 10 से 14 जुलाई, 04069 शेखपुरा–आनंद विहार 11 से 15 जुलाई, 01431 हडपसर–गाजीपुर सिटी 10 जुलाई से 14 जुलाई और 01432 गाजीपुर सिटी–हडपसर को 12 जुलाई से 16 जुलाई तक के लिए बढ़ाया गया है।

फातमा की जगह हो गया फातिमा, एयरपोर्ट पर लेना पड़ गया 84,815 रुपये का नया टिकट

प्रयागराज। यूरोप टूर पर जाने से ठीक पहले बेटी के नाम में एक अक्षर की गलती परिवार पर भारी पड़ गई। पासपोर्ट में उपनाम फातमा होने के बावजूद हवाई टिकट में फातिमा दर्ज होने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर बच्ची को बोर्डिंग पास नहीं मिला।

यूरोप टूर पर जाने से ठीक पहले बेटी के नाम में एक अक्षर की गलती परिवार पर भारी पड़ गई। पासपोर्ट में उपनाम फातमा होने के बावजूद हवाई टिकट में फातिमा दर्ज होने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर बच्ची को बोर्डिंग पास नहीं मिला। ऐसे में परिवार को 84,815 रुपये का नया टिकट खरीदना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इसे सेवा में कमी मानते हुए टूर पैकेज कंपनी को दो लाख रुपये मानसिक व आर्थिक क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम, सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी और सरला की पीठ ने हमीम अहमद के परिवाद पर दिया।

करेली के जीटीबी नगर निवासी हमीम अहमद ने 21 दिसंबर 2022 को पत्नी और दो बेटियों के साथ यूरोपियन बोनांजा टूर पैकेज बुक कराया था। 27 फरवरी 2023 को वीजा प्रक्रिया के दौरान वीएफएस ग्लोबल सेंटर में छोटी बेटी रिदा फातमा के ट्रैवल इंश्योरेंस में उपनाम फातिमा दर्ज होने की गलती सामने आई। शिकायत के बाद इंश्योरेंस दस्तावेज में सुधार कर दिया गया और उसी आधार पर वीजा भी जारी हो गया। इसके बावजूद सात जून 2023 को हवाई टिकट में फिर वही गलती दोहरा दी गई।

ट्रैवल एजेंसी और टूर पैकेज कंपनी को इसकी सूचना दी। उन्हें आश्वासन दिया गया कि बैकएंड में सुधार कर दिया गया है। बोर्डिंग में कोई परेशानी नहीं होगी। 11 जून 2023 को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे दिल्ली पर एयरलाइन ने पासपोर्ट और टिकट में उपनाम अलग होने के कारण बच्ची को बोर्डिंग पास देने से इन्कार कर दिया।

ग्रुप बुकिंग होने के कारण मौके पर नाम में संशोधन भी नहीं हो सका। यात्रा जारी रखने के लिए बच्ची के नाम से 84,815 रुपये का नया आने–जाने का टिकट खरीदना पड़ा। आयोग ने कहा कि रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि उपनाम की त्रुटि की जानकारी विपक्षियों को 27 फरवरी 2023 से ही थी। इसके बावजूद केवल इंश्योरेंस दस्तावेज में सुधार किया गया, जबकि यात्रा संबंधी अन्य दस्तावेजों में आवश्यक संशोधन नहीं किया गया।

आयोग ने विपक्षियों को आदेश दिया कि वे दो माह के भीतर अतिरिक्त टिकट की 84,815 रुपये की राशि परिवाद दायर करने की तिथि से अंतिम भुगतान तक आठ प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित अदा करें। इसके अलावा मानसिक एवं आर्थिक क्षति के लिए दो लाख रुपये और वाद व्यय के रूप में 20 हजार रुपये भी परिवादी को भुगतान करें।

मृत बिजलीकर्मी के परिजनों को मुआवजा न देने पर हाईकोर्ट नाराज, पीवीवीएनएल के प्रबंध निदेशक तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फॉल्ट ठीक करते समय करंट से मरने वाले श्रमिक के परिजनों को मुआवजा न देने पर नाराजगी जताई है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक को व्यक्तिगत रूप से तलब कर कहा कि निगम ने मामले को लापरवाही और असंवेदनशील तरीके से लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फॉल्ट ठीक करते समय करंट से मरने वाले श्रमिक के परिजनों को मुआवजा न देने पर नाराजगी जताई है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) के प्रबंध निदेशक को व्यक्तिगत रूप से तलब कर कहा कि निगम ने मामले को लापरवाही और असंवेदनशील तरीके से लिया है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की खंडपीठ ने फूलचंद्र की याचिका पर दिया। शिव कुमार गुप्ता खंभे पर चढ़कर फॉल्ट ठीक कर रहे थे। इसी दौरान करंट लगने से उनकी मौत हो गई। वाराणसी के उप निदेशक (विद्युत सुरक्षा) की जांच रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने जूनियर इंजीनियर के निर्देश पर बिना शटडाउन लिए खंभे पर चढ़े थे।

दुर्घटना बिजली नियम–1956 के नियम 36(2) का पालन न होने के कारण हुई। उन्होंने आश्रितों को उचित मुआवजा देने की संस्तुति की तो निगम ने इन्कार कर दिया। कहा कि शिव कुमार उनके कर्मचारी नहीं थे। कोर्ट में मामला आने पर अधिवक्ता ने 7.50 लाख रुपये मुआवजा देने की बात कही, लेकिन बाद में निगम अपने बयान से पीछे हट गया।

निगम तकनीकी आधारों पर मुआवजे का विरोध करने लगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब विद्युत सुरक्षा अधिकारी की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से दर्ज है कि मृतक निगम के कर्मचारी के निर्देश पर कार्य कर रहा था, तब ऐसे तथ्यों को तकनीकी दलीलों के आधार पर नकारना स्वीकार नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने नाराजगी जताई कि निगम के अधिवक्ता ने कहा कि अदालत निगम से बंदूक की नोक पर आदेश का पालन कराना चाहती है। पीठ ने इसे एक अधिवक्ता जैसे न्यायालय के अधिकारी के लिए अनुचित टिप्पणी बताई। 13 जुलाई को मामले की सुनवाई होगी।

डीएलएड 2026: आधी से अधिक सीटें खाली, पंजीकरण की तिथि बढ़ाने का प्रस्ताव

प्रयागराज। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए पहले चरण के पंजीकरण की तिथि पूरी हो गई है। आधे से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। ऐसे में सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने डीएलएड 2026 के पंजीकरण की तिथि फिर से बढ़ाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है। डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए पहले चरण के पंजीकरण की तिथि पूरी हो गई है। आधे से अधिक सीटें खाली रह गई हैं। ऐसे में सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने डीएलएड 2026 के पंजीकरण की तिथि फिर से बढ़ाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा है। पीएनपी सचिव राजेंद्र प्रताप ने बताया कि अब तक कुल 1012136 ऑनलाइन पंजीकरण हुए हैं। इनमें से 98404 आवेदन शुल्क सहित जमा किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण कर प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि 11 जुलाई निश्चित की गई है। डीएलएड में प्रवेश के लिए प्रदेश के सभी डायट और निजी क्षेत्र के डीएलएड कॉलेजों में कुल 2,39,509 सीटें हैं। इसमें प्रदेश के 67 डायट में 10600 सीटें हैं। पिछले वर्ष भी डीएलएड की 2,39,509 सीटों में से एक लाख से अधिक सीटों पर प्रवेश नहीं हुआ था।

ट्रिपलआईटी में बदला ट्रेंड, आईटी–बीआई की मांग में सबसे ज्यादा छलांग

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में प्रवेश के लिए छात्रों की पसंद में इस साल बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जोशा 2025 और 2026 के तीसरे राउंड की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक के विश्लेषण से पता चलता है कि संस्थान की आईटी–बीआई शाखा में सबसे बड़ा बदलाव दर्ज किया गया है।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में प्रवेश के लिए छात्रों की पसंद में इस साल बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जोशा 2025 और 2026 के तीसरे राउंड की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंक के विश्लेषण से पता चलता है कि संस्थान की आईटी–बीआई शाखा में सबसे बड़ा बदलाव दर्ज किया गया है।

आंकड़ों के अनुसार, चार वर्षीय इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) और बिजनेस इंफॉर्मेटिक्स (बीआई) की ओपन श्रेणी की क्लोजिंग रैंक 2025 में 5580 थी, जो 2026 में घटकर 4383 हो गई। करीब 1197 रैंक का यह बदलाव इस शाखा की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। वहीं, आईटी की क्लोजिंग रैंक 5394 से घटकर 5052 पहुंच गई, जिससे साफ है कि इस शाखा को छात्रों ने ज्यादा पसंद किया। ईसीई की क्लोजिंग रैंक 2025 में 7438 से घटकर 2026 में 6996 हो गई जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। जोशा के तीसरे राउंड के आंकड़े बताते हैं कि ट्रिपलआइटी की प्रमुख शाखाओं में इस साल प्रतिस्पर्धा और कड़ी हुई है। खासकर आईटी–बीआई, आईटी और ईसीई ने छात्रों की पसंद के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है।

प्रयागराज मंडल की सब्जियों का जलवा, तीन साल में 112 करोड़ का कारोबार

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के किसानों की उपज अब देश ही नहीं, बल्कि विदेश के बाजारों में भी अपनी अलग पहचान बना रही है। तीन वर्षों में मंडल से कृषि एवं उद्यान उत्पादों के निर्यात से करीब 112 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। प्रतापगढ़, कौशाम्बी, प्रयागराज और फतेहपुर के किसानों ने तीन वर्षों में मंडल से 1129.28 टन फल, सब्जियां और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों का निर्यात किया। अब कनाडा, दुबई, ओमान, शारजाह, नेपाल, बांग्लादेश और यूके में मंडल के फल, सब्जियों और प्रसंस्कृत उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। सबसे अधिक निर्यात प्रयागराज से हुआ जबकि प्रतापगढ़ के आंवला और उससे बने उत्पाद विदेशी बाजार में ब्रांड बन चुके हैं। प्रयागराज की भिंडी दुबई और शारजाह के बाजारों में पसंद की जा रही है। फतेहपुर की मूंगफली बांग्लादेश में अच्छी कीमत दिला रही है। प्रयागराज मंडल के सहायक कृषि विपणन अधिकारी दिनेश चंद्र बताते हैं कि मंडल के कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को विदेश में लगातार पहचान मिल रही है। सरकार की कृषि निर्यात नीति के तहत किसानों, एफपीओ और कृषि उद्यमियों को आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। किसान वैज्ञानिक तरीके से उत्पादन कर और विभाग से जुड़कर उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकते हैं।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति–2019 के तहत किसानों, एफपीओ और कृषि उद्यमियों को अब 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। 50 से 100 हेक्टेयर के कृषि निर्यात क्लस्टर विकसित करने पर छह लाख रुपये तक प्रोत्साहन मिलेगा। पैकेजिंग, ब्रांडिंग और गुणवत्ता सुधार पर 40 प्रतिशत या अधिकतम 15 लाख रुपये, जबकि निर्यात अवसंरचना के विकास के लिए 25 लाख रुपये तक सहायता मिलेगी। एमआरएल व रेसिड्यू परीक्षण, जीएपी और जैविक प्रमाणन पर भी 50 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े विद्यार्थियों के विदेश प्रशिक्षण और निर्यात आधारित अनुसंधान को भी वित्तीय सहायता दी जाएगी। सहायक कृषि विपणन अधिकारी दिनेश चंद्र ने किसानों और एफपीओ से विभाग से संपर्क कर योजनाओं का लाभ उठाने तथा अपनी उपज को वैश्विक बाजार तक पहुंचाकर अधिक लाभ अर्जित करने की अपील की है।

कसारी मसारी में 54973 वर्गमीटर भूमि फिर राज्य सरकार के नाम दर्ज

प्रयागराज। जिलाधिकारी के आदेश से मौजा कसारी मसारी व ऐनुद्दीनपुर में 54973.77 वर्गमीटर भूमि पुनः राज्य सरकार के नाम दर्ज की गई है। यह भूमि नगर भूमि (अधिकतम सीमा एवं विनियमन) अधिनियम, 1976 के तहत राज्य सरकार में निहित थी। भूधारक अताउल्ला ने तथ्यों को छिपाकर इस भूमि को अपने पक्ष में अवमुक्त करा लिया था। यह भूमि प्रयागराज विकास प्राधिकरण की अभिरक्षा में है। इस पर कालिंदीपुरम आवासीय योजना के तहत भूखंड, सड़क और पार्क निर्मित हैं। जिलाधिकारी ने चार जुलाई 2026 को एक आदेश पारित कर पूर्व में जारी विधि विरुद्ध प्रशासनिक आदेश को निरस्त कर दिया।

आरोप है कि अताउल्ला एक माफिया है और उसके करीबी रिश्तेदारों ने शत्रु संपत्ति व ससुर खदेरी नदी को पाटकर अवैध प्लॉटिंग की थी। इस पर एसडीएम सदर के आदेश पर लेखपाल ने अफजल, जकी अहमद, राशिद उर्फ नीलू, मोहम्मद असलम व अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी और इनका जुड़ाव माफिया अतीक अहमद से भी रहा है।यह है मामला यह मामला वाद संख्या 3222/1976 सरकार बनाम अताउल्ला से संबंधित है। इसमें मौजा कसारी मसारी व एनुद्दीनपुर स्थित भूखंडों से कुल 54973.77 वर्गमीटर भूमि राज्य सरकार में निहित हुई थी। इस कार्रवाई के विरुद्ध अताउल्ला ने जनपद न्यायालय, इलाहाबाद में अपील की थी। जनपद न्यायालय ने 22 सितंबर 1998 को अपील निरस्त कर दी थी, जो राज्य सरकार के पक्ष में थी।

भूधारक अताउल्ला ने दो सितंबर 2016 को तथ्यों को छिपाकर प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर तत्कालीन सक्षम प्राधिकारी, नगर भूमि सीमारोपण इलाहाबाद ने बिना स्थलीय निरीक्षण और सरकार का पक्ष सुने, नौ सितंबर 2016 को प्रशासनिक आदेश पारित कर भूमि अताउल्ला के पक्ष में अवमुक्त कर दी थी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव के पत्र के बाद जिलाधिकारी ने चार जून 2026 को अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की। जांच समिति की आख्या और अन्य तथ्यों के आधार पर जिलाधिकारी ने अवैध आदेश को निरस्त कर दिया।

होगी जांच, राजस्व रिकॉर्ड में कैसे हो गया बदलाव

एडीएम नजूल संजय पांडेय का कहना है कि इसकी जांच कराई जाएगी कि राजस्व रिकॉर्ड में सरकारी जमीन को सीलिंग से मुक्त करते हुए उस पर किसी व्यक्ति का नाम दर्ज हो गया। इस पूरी प्रक्रिया में संबंधित अफसरों और कर्मचारियों की क्या भूमिका रही। जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

भगदेवरा–रेरुआ संपर्क मार्ग पर जलभराव से लोग परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के भगदेवरा–रेरुआ संपर्क मार्ग की जर्जर हालत और नालियों की सफाई न होने से सड़क पर कीचड़ व जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। हल्की बारिश में भी सड़क दलदल में बदल जाती है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी होती है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग, छात्र–छात्राएं, किसान और व्यापारी आवागमन करते हैं। सड़क पर कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन फिसलने की घटनाएं बढ़ी हैं।

पौध रोपण व जल संरक्षण सिर्फ सरकार की ही नहीं जन-जन की जिम्मेदारीः समाज शेखर

18वां सामाजिक सत्याग्रह कल भयहरण नाथ धाम में

बकुलाही नदी के मुहाने की होगी सफाई, होगा वृहद पौध रोपण

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडवकालीन भयहरण नाथ धाम में अतिक्रमण मुक्ति को लेकर 18वां सामाजिक सत्याग्रह 12 जुलाई रविवार को आयोजित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के ष्वृहद पौध रोपण अभियानष् के आवाहन के क्रम में इस बार सत्याग्रह के साथ पौध रोपण भी किया जाएगा। साथ ही बकुलाही नदी के अवशेष सरकारी कार्यों को पूर्ण कराने की मांग उठेगी। प्राचीन धारा के

मुहाने की सफाई कर प्रवाह हेतु सामूहिक श्रमदान भी किया जाएगा। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव एवं सत्याग्रह के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि धाम की प्रबन्ध समिति व नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह सहित बकुलाही नदी पुनरोद्धार अभियान, भारतीय किसान यूनियन अंबावता, लोक भारती, पतंजलि योग पीठ, मंदिर मेला समिति के पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय नागरिक इस 'प्रकृति के महायज्ञ' में सहभागिता करेंगे। पर्यावरणविद समाज शेखर ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि 12 जुलाई को एक पौध माँ के नाम अवश्य लगाएं। पर्यावरण संरक्षण आज अनिवार्य जरूरत ही नहीं, अपरिहार्य आवश्यकता है। पौध रोपण व जल संरक्षण सिर्फ सरकार की नहीं, जन-जन की जिम्मेदारी है। जब तक हर नागरिक अपनी भूमिका नहीं निभाएगा, तब तक सरकार और समाज की साझा सुखद भविष्य की संकल्पना साकार नहीं हो सकेगी।

यूपी को मिलेगा बैरियर-लेस टोल प्लाजा

13 जुलाई से शुरू होगी सेवा, मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री करेंगे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी को 13 जुलाई को आधुनिक एक्सप्रेसवे की सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। यह प्रदेश का पहला ऐसा एक्सप्रेसवे होगा, जहां टोल प्लाजा पर बैरियर नहीं होगा।नई तकनीक की मदद से वाहन बिना रुके टोल पार करेंगे और टोल टैक्स अपने आप कट जाएगा। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा से करीब 500 मीटर पहले ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरे और आरएफआईडी रीडर लगाए गए हैं।कैमरे वाहन की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे, जबकि आरएफआईडी रीडर फास्टैग की जानकारी पढ़कर सिस्टम तक पहुंचाएगा। कुछ ही सेकेंड में टोल टैक्स अपने आप कट जाएगा और वाहन को रुकने की जरूरत नहीं। 62 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे पर बीच रास्ते में कोई टोल प्लाजा नहीं बनाया गया है।टोल टैक्स केवल प्रवेश और निकासी बिंदुओं पर लिया जाएगा। लखनऊ के मिरानपुर पिनवट, खांडेदेव-शिवपुरा और बनी के अलावा उन्नाव के लालगंज-अमरसस गांव तथा कानपुर के आजाद नगर-शुक्लागंज बाईपास पर टोल सिस्टम स्थापित किया गया है। वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। वाहन 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी टोल पार कर सकेंगे। सिस्टम लखनऊ और कानपुर में बने कंट्रोल रूम से संचालित होगा, जहां से वाहनों की निगरानी और टोल संग्रह की व्यवस्था होगी।एएनपीआर कैमरा वाहन की नंबर प्लेट को स्कैन कर उसकी पहचान करेगा। आरएफआईडी रीडर फास्टैग से जुड़ी जानकारी प्राप्त करेगा। फास्टैग सक्रिय होगा तो टोल राशि स्वतः कट जाएगी। फास्टैग न होने या ब्लैकलिस्ट होने की स्थिति में वाहन मालिक को नियमानुसार नोटिस या चालान भेजा जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुसार इस तरह की बैरियर-लेस टोल प्रणाली पहले गुजरात और दिल्ली में लागू है।लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश इस आधुनिक तकनीक को अपनाने वाला देश का तीसरा राज्य बन जाएगा।

राजधानी में लगी होर्डिंग सनातन ही समाजवाद है,चंदा चोरी पर सपा नेता का वार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शुक्रवार को सपा कार्यालय के बाहर होर्डिंग लगी। होर्डिंग के जरिए गाय को गौ माता का दर्जा देने की मांग किया। होर्डिंग में राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे को भी दर्शाया गया। सपा नेता सोमिल सिंह के द्वारा यह होर्डिंग मुख्यालय के गेट के बिल्कुल बगल में लगवाई गई है।सोमिल ने कहा कि सनातन ही समाजवाद है। होर्डिंग में लिखा है अधर्मियों और चढ़ावा चोरों का करेंगे विनाश,ढोंगियों और गौ हत्यारों का करेंगे सर्वनाश। कर्मयोगी अखिलेश जी ,27 में आएंगे गौ माता और प्रदेश को बचाएँगे।

होर्डिंग में जो तस्वीर लगाई गई उसमें सपा मुखिया अखिलेश यादव स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पैर छूते हुए नजर आ रहे हैं। सोमिल ने कहा कि यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो चुकी है कि सनातन से समाजवाद है। समाजवादी पार्टी की विचारधारा से ही सभी धर्म और जाती के लोग जुड़ रहे हैं। सोमिल ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी हुआ। उत्तर प्रदेश में धर्म के प्रतीक माने जाने वाले व्यक्ति ने यूपी को बीफ एक्सपोर्ट में नंबर वन बना दिया, राम मंदिर में चोरी हुई उस पर में संदेश देना चाहते हैं कि अधर्मियों को सत्ता से हटकर कर्म योगी को 2027 में सत्ता में लाना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिन पर स्वच्छता अभियान की शुरुआत

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिन के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ नगर निगम द्वारा पूरे शहर में मेगा सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर निगम के सभी 110 वार्डों में एक साथ विशेष सफाई कार्य कर स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ लखनऊ का संदेश दिया गया। इसका शुभारंभ मेयर सुषमा खर्कवाल ने हजरतगंज स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पार्षदों और नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इसके बाद मेयर ने स्वयं सफाई अभियान में सहभागिता करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया और नागरिकों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

रज्जू विवि में दीक्षोत्सव सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आगामी दीक्षांत समारोह के पूर्व आयोजित दीक्षोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में स्नातक, परास्नातक एवं शोध स्तर के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।शासनादेश के अनुपालन में कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की अंतर्निहित प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उनमें राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना रहा। इसी क्रम में काव्य लेखन, भाषण, निबंध, देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, चित्रकला तथा खो-खो प्रतियोगिताओं सहित अनेक विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विविध प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति, भारत गौरवगाथा, नारीशक्ति, माँ की ममता, कृषक जीवन, ग्रामीण सौन्दर्य, पर्यावरण चिंतन तथा ष्आपन माटी, आपन गाँवष जैसे समसामयिक एवं प्रेरणादायी विषय निर्धारित किए गए। इन विषयों पर विद्यार्थियों ने अपनी मौलिक रचनाओं, प्रभावशाली वक्तव्यों, कलात्मक अभिव्यक्तियों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दिया। प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण देखने को मिला। निर्णायक मंडल द्वारा सभी प्रस्तुतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को आगामी दीक्षांत समारोह के अवसर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में सभी प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। कुलसचिव प्रो. विनीता यादव, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त तथा अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता तथा सृजनात्मक सोच को नई दिशा प्रदान करती हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. अतुल वर्मा, डॉ. प्रशान्त सिंह एवं डॉ. विवेक अग्रहरि तथा सह-संयोजक डॉ. पीयूष मिश्र, डॉ. प्रिया झा, डॉ. मुकेश द्विवेदी, डॉ. शिवशंकर यादव, डॉ. पंकज मौर्य, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. नवीन तिवारी, डॉ. स्वास्तिका सिंह एवं डॉ. आराधना त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शहरी कहते गाँव है

(छप्पय)

छोड़ गाँव की प्रीति, शहर को जब मैं आया।
चहल-पहल के बीच,अकेलेपन को पाया।
छोटे-बड़े मकान,गाड़ियाँ लम्बी-लम्बी।
सुख-सुविधा से युक्त,सजावट हर कमरों की।
गमलों में पौधे लगा,देते सबको ज्ञान है।
पेड़ लगाना ही सदा, सबसे अच्छा दान है।।

रही न उसकी याद, शहर आया हूँ जब से।
कैसे पूछूँ आज, ठिकाना उसका सबसे।
मिली जहाँ पर छाँव, गर्मियों के मौसम में।
शामिल होते लोग, सदा दूजों के ग़म में।
ऐसी प्यारी भूमि को, शहरी कहते गाँव है।
हरियाली बस मौन हो, कहती मेरा ठाँव है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रयागराज मंडल परिक्षेत्र के सांसदों के साथ बैठक आयोजित

बैठक में जन सरोकारों और रेलवे के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

सांसदों ने प्रयागराज मंडल द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की

प्रयागराज। भारतीय रेल देश की जीवनरेखा है और देश के विकास में अपना अहम योगदान दे रही है। इसी कड़ी में उत्तर मध्य रेलवे भारतीय रेल के एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग के रूप में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। आज दिनांक 10 जुलाई

2026 को प्रयागराज के प्रतिष्ठित होटल कान्हा श्याम के सभागार में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल के माननीय सांसदों एवं उनके सम्मानित प्रतिनिधियों के साथ महाप्रबंधक की एक उच्च स्तरीय एवं महत्वपूर्ण बैठक का माननीय सांसद-अलीगढ़ श्री सतीश कुमार गौतम की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मण्डल की हालिया उपलब्धियों को साझा करना, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास की समीक्षा करना तथा माननीय जनप्रतिनिधियों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त कर रेल विकास योजनाओं को नई दिशा देना रहा।

इस अवसर पर अपने उदबोधन में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री नरेश पाल सिंह ने कहा कि, हमने अपनी रेलवे की कार्यप्रणाली में लाइन क्षमता की वृद्धि, यात्री सुविधाओं में सुधार एवं उन्नयन, गाड़ियों का संरक्षित संचालन, कर्मचारी कल्याण, पर्यावरण की संरक्षण के लिए हरित पहल की दिशा में विशेष कदम उठाए हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और इसे मजबूत बनाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों से एक बहुत ही सकारात्मक बदलाव आया है, रेल की विभिन्न परियोजनाएं जो वर्षों तक पर्याप्त फ़ंड की अनुपलब्धता के कारण रुक जाते थे, उन कार्यों को करने हेतु सरकार द्वारा अब पर्याप्तल फंड भी उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही उच्चतम स्तर से प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग होने से प्रोजेक्ट पूर्ण होने में तेज़ी आई है। साथ ही भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में इनोवेशन और आधुनिक तकनीक का कारगर प्रयोग कर रहे हैं। हम अपने सम्मानित यात्रियों, रेल उपयोगकर्ताओं और आमजन की अपेक्षाओं को पूरा कर सकें, इस हेतु एआई आधारित रेल मदद पोर्टल (139) के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि , प्रयागराज मण्डल, भारतीय रेल के एक महत्वापूर्ण अंग के रूप में रेल की सेवा में निरन्तटर तत्पोर है। हमारा यह मंडल उत्तकर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के महत्वंपूर्ण हिस्सों को देश के अन्य हिस्सोंआ से जोड़ने का कार्य कर रहा है। मंडल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए श्री सिंह ने बताया कि, वित्त वर्ष 2025-26 में कुल आरंभिक यात्री संख्या लगभग 7.40 करोड़ रही एवं यात्री आय के रूप में 1699 करोड़ रुपये और माल लदान से लगभग 893 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई।

उन्होंने बताया कि जनमानस की मांग को ध्यान में रखते हुए हाल ही में प्रयागराजदृदादरी स्पेशल ट्रेन (02417/18) का संचालन प्रारम्भ किया गया, जिससे नोएडा एनसीआर एवं जेवर एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को विशेष सुविधा प्राप्त हुई । इसके अतिरिक्त मेला, समर, त्योहार एवं परीक्षा विशेष सहित कुल 14,127 विशेष ट्रिप संचालित किए गए तथा 24 जोड़ी विशेष गाड़ियों का संचालन किया गया। अमृत भारत, वंदे भारत एवं राजधानी सहित 18 जोड़ी नई गाड़ियों का संचालन प्रारम्भ किया गया। वहीं 04 जोड़ी डम्डन ट्रेनों को 8-कार से बढ़ाकर 12-कार किया गया। स्टेशन री-डेव्लपमेंट एवं अमृत स्टेशन के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रयागराज मण्डल में कुल 02 प्रमुख रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन एवं कानपुर सेंट्रल को स्टेशन रीडेवलेपमेंट प्लान के अंतर्गत विकसित किया जा रहा है।इसके अतिरिक्त प्रयागराज मण्डल में अमृत भारत योजना के अंतर्गत शामिल 15 स्टेशनों में से 5 स्टेशनों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं शेष का कार्य प्रगति पर है, जिसे इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण कर लिया जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर की चर्चा करते हुए सूचित किया कि, इसकी वृद्धि के तहत प्रयागराज मण्डल द्वारा 28 किमी. की रेलवे लाईन बिछाई गयी और 03 ब्लॉक सेक्शनों के तृतीय लाइन में 25.18 झड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग आधारित ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली सफलतापूर्वक चालू की गई। कुल 400 झड में कवच प्रणाली का सफल कमीशनिंग किया गया, जिससे ट्रेन संचालन की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में वृद्धि हुई। इसी क्रम में उन्होंने सभी माननीय सांसदगणों को आश्वस्त किया कि आपसे प्राप्तक बहुमूल्य् सुझावों पर गंभीरता से अध्यशयन किया जायेगा तथा प्रयागराज मण्डल के स्तोर पर इन सुझावों को रेल विकास योजनाओं एवं यात्री सुविधाओं में शामिल किया जायेगा।

प्रतीक ग्रुप व आवास विकास परिषद के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराने की दी गई तहरीर

गाजियाबाद। लाईन पार क्षेत्र के विजयनगर में जलभराव पर फूटा लोगों का गुस्सा, प्रतीक ग्रुप व आवास विकास परिषद के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की गई है। भारी बारिश के बाद पानी की निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल, नाला संकरा किए जाने का आरोप; तीन वर्षीय बच्ची की मौत से भड़का जनाक्रोश

प्रतीक ग्रुप व आवास विकास परिषद के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराने की दी गईं तहरीर

विजयनगर में जलभराव पर फूटा लोगों का गुस्सा, प्रतीक ग्रुप व आवास विकास परिषद के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराने की मांग

शुक्रवार को बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जन अधिकार मोर्चा के नेतृत्व में थाना विजयनगर पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि जलभराव के लिए जिम्मेदार प्रतीक ग्रुप तथा आवास विकास परिषद के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

नाला संकरा किए जाने का लगाया आरोप

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि प्रतीक ग्रुप की आवासीय परियोजना के निर्माण के दौरान क्षेत्र से गुजरने वाले मुख्य बरसाती नाले को संकरा कर दिया गया। इससे वर्षों से चली आ रही बरसाती पानी की व्यवस्था प्रभावित हो गई। लोगों का कहना है कि पहले बारिश का पानी तेजी से निकल जाता था, लेकिन अब नाले की क्षमता कम होने के कारण कैलाभट्टा, कैलाश नगर, विजयनगर, प्रताप विहार और आसपास के क्षेत्रों का पानी एकत्र हो जाता है, जिससे हर बारिश में जलभराव की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते नाले को उसकी मूल चौड़ाई में बहाल किया जाता और पानी निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाता तो इतनी गंभीर स्थिति पैदा नहीं होती और कई लोगों को नुकसान से बचाया जा सकता था।

जिलाधिकारी भी जता चुके हैं नाराजगी

क्षेत्रवासियों ने दावा किया कि हाल ही में जिलाधिकारी ने भी मौके का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जलनिकासी में आ रही बाधाओं और नाले की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की थी। लोगों का कहना है कि यदि निरीक्षण के बाद तत्काल प्रभावी कार्रवाई होती तो गुरुवार की बारिश के दौरान हालात इतने भयावह नहीं बनते।

तीन वर्षीय बच्ची की मौत से गहराया आक्रोश

जलभराव के बीच सर्वोदय नगर में तीन वर्षीय बच्ची की डूबने से हुई मौत ने लोगों को झकझोर दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लापरवाही का परिणाम है। उनका आरोप है कि वर्षों से जलनिकासी की समस्या उठाई जा रही थी, लेकिन संबंधित विभागों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

मुकदमा दर्ज करने और स्थायी समाधान की मांग

जन अधिकार मोर्चा और क्षेत्रवासियों ने पुलिस से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रशासन से बरसाती नाले को अवरोध मुक्त कराने, जलनिकासी व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना लागू करने की मांग भी की गई।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान उन्हें इसी तरह की परेशानी झेलनी पड़ती है। यदि इस बार भी केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया तो आने वाले समय में जन आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हालांकि इस मामले में अभी तक प्रतीक ग्रुप या संबंधित पक्ष के आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। उनका बयान आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

डॉ. शिवम शर्मा ने किया मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण

डॉ. शिवम शर्मा ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशिकांत त्रिपाठी की मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के रूप में पदोन्नति के उपरांत ग्रहण किया है। डॉ शर्मा इससे पहले प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उल्लेखनीय है कि मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में श्री शर्मा की दूसरी पारी है। इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2021-22 के दौरान भी इस पद का दायित्व संभाला था। डॉ शिवम शर्मा ने इसके पूर्व भी वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, उप मुख्य दावा अधिकारी एवं मंडल ट्रैफिक मैनेजर टूंडला जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है तथा व्यापक प्रशासनिक अनुभव अर्जित किया है। उप मुख्य दावा अधिकारी के रूप में डॉ शिवम शर्मा ने कार्य करते हुए प्रयागराज में रेलवे दावा अधिकरण की पीठ खुलवाने में महती भूमिका निभाई थी। उनके योगदान के लिए उन्हें अधिकरण की प्रधान पीठ के अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसी क्रम में उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर भारतीय खेल प्राधिकरण (।ए) में निदेशक पद पर कार्य किया। उन्होंने अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला में निदेशक के रूप में कार्य किया तथा बाद में सोनीपत स्थित उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदोन्नत हुए। इस अवधि में उन्होंने हरियाणा में खेलों के विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया। डॉ. शर्मा वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा रहे। डॉ. शिवम शर्मा भारतीय रेलवे यातायात सेवा (प्ट्जै) के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी हैं तथा उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डेंटल सर्जरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। वे उत्तर मध्य रेलवे के ऊर्जावान एवं गतिशील अधिकारियों में गिने जाते हैं।

सम्पादकीय.....

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़–तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'हॉर्ड बॉल ऑपरेशन' में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़–तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' और 'धार्मिक' व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस–चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका–भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में 'डीप स्टेट' के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या–फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है। विसंगति देखिए कि अमेरिकी आरोप पत्र में नाबालिगों की भर्ती, गुर्गों का नेटवर्क चलाने के साथ देशभक्त इमेज के आरोप भी शामिल हैं।

उत्तरप्रदेश की राह पर बंगाल

प.बंगाल में भाजपा शासन के आते ही राज्य में चारित्रिक बदलाव दिखाई देना शुरु हो चुका है। भाजपा शासन की खास पहचान बन चुके बुलडोजर और पुलिस मुठभेड़ दोनों का इस्तेमाल प.बंगाल में शुरु हो चुका है। सुवेन्दु अधिकारी के सत्ता संभालते ही तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई शुरु हो गई, कई मौकों पर जनता ने कानून हाथ में लिया और टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंके। भाजपा ने इसे लोगों का गुस्सा बताकर न्यायोचित ठहराने की कोशिश की। कई बाजारों में रेहड़ी–पटरी वालों को जबरन हटाया गया और कुछ जगह बुलडोजर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गिराया गया। और अब बारुईपुर मामले में एक अहम आरोपी की मुठभेड़ में मौत हो गई, जिससे प.बंगाल को भाजपाई रंग में ढलने में जो कसर बाकी थी, वह भी पूरी हो गई। गौरतलब है कि बीते दिनों कोलकाता के दक्षिणी उपनगर स्थित बारुईपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की बलात्कार के बाद नृशंसता से हत्या कर दी गई। ऐसी एक भी घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए बड़ा कलंक होनी चाहिए। जो समाज अपने बच्चों की, महिलाओं की हिफाजत न कर सके, उसे शर्मिंदा होना चाहिए। मगर बड़े अफसोस की बात है कि बलात्कार जैसा गंभीर अपराध अब राजनीति करने का जरिया बन चुका है। जब प.बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के वक्त आर जी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या का मामला आया था, तब भाजपा ने बिना समय गंवाएं टीएमसी सरकार को घेरा, राज्य में धरना–प्रदर्शन सब किया। हालांकि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भी कार्रवाई की, आरोपियों को पकड़वाया, फिर भी उन पर ऊंगली उठाई गई कि वे बहन–बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सकतीं। इस चुनाव में भी भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाना चाहा और इसके लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज की दिवंगत पीड़िता की मां को टिकट दी, वे जीतीं और अब विधायक भी बन गई हैं। लेकिन अफसोस है कि वे भी अब पीड़ित परिवार के साथ खुलकर खड़े होने और ऐसे नृशंस अपराध पर आवाज उठाने की जगह खोखले तर्क दे रही हैं कि मेरी बेटी के साथ अस्पताल जैसी सुरक्षित जगह पर ऐसा हुआ, जबकि वो बच्ची बाहर थी या कहां थी, पता नहीं। इस बयान के बाद सभ्य समाज को अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि क्या बच्चे केवल अपने घर में सुरक्षित रह सकते हैं, बाहर नहीं। अगर ऐसा है तो हम किस अधिकार से खुद को सभ्य कहते हैं। और कई मामलों में घर में करीबी रिश्तेदार ही जो शारीरिक शोषण करते हैं, उस वक्त बच्चों के लिए कौन सा सुरक्षित स्थान बताया जाएगा। जाहिर है भाजपा विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ या नयी सरकार की कानून व्यवस्था के खिलाफ खुल कर बोलने की स्थिति में नहीं हैं, तो उन्होंने सारा ठीकरा पिछली टीएमसी सरकार पर फोड़ दिया। हालांकि इसकी कोई तुक बनती नहीं। अगर ममता बनर्जी की सरकार लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में नाकाम थी, तो जनता ने उन्हें सत्ता से हटा दिया है। अब जिनकी सत्ता है, यानी भाजपा की, तो उसे हर तरह से जिम्मेदारी लेना होगा। लेकिन इसकी जगह सुवेन्दु अधिकारी कहीं ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने से रोक रहे थे, तो कहीं उनके नेता इस घिनौने अपराध में भी हिंदू–मुसलमान कर रहे थे। इस घटना से नाराज भीड़ ने तो एक व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या भी कर दी, हालांकि अब भीड़ में शामिल कम से कम 200 लोगों पर कार्रवाई होगी, ऐसी बात प्रशासन कर रहा है। लेकिन एक अन्य आरोपी, जो इस घटना की अहम कड़ी बन सकता था, उसका रहस्यमय तरीके से एनकाउंटर कर दिया गया। जिस तरह उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश या गुजरात में हुई कई पुलिस मुठभेड़ों में यही कहानी बताई गई कि आरोपी ने पुलिस गिरफ्त से भागने की कोशिश की और उन पर हमला किया, बदले में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें आरोपी मारा गया। ठीक यही कहानी बारुईपुर मामले के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल के एनकाउंटर के पीछे बताई जा रही है। हालांकि इस घटना में शुरुआत से पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, नाबालिग की मौत डूबने से हुई थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि पुलिस ने शुरुआती शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की होती तो लड़की की जान बचाई जा सकती थी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एक स्थानीय निवासी ने बताया कि श्रात करीब साढ़े आठ बजे हमने पुलिस को सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। रविवार सुबह स्थानीय लोगों से जानकारी मिलने के बाद हमने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और खुद अभियुक्त की पहचान कर उसे पकड़ लिया। अभियुक्त ने थाने में अपना अपराध कबूल किया था। हम उसके साथ घटनास्थल पर गए और शव बरामद कराया। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेता शांतनु मंडल ने अभियुक्त को भागने में मदद की।श लेकिन शांतनु मंडल ने अपने ऊपर लगे इन आरोपों से इनकार किया है। इस मुठभेड़ और आरोपी के मारे जाने के बाद टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने भी दावा किया कि प्रभास मंडल भाजपा का कार्यकर्ता था। उसे भाजपा के अंदरूनी मामलों की काफी जानकारी दी। इसलिए उसका एनकाउंटर कर दिया गया। उन्होंने सवाल किया, श्पुलिस हिरासत में कैसे एनकाउंटर हो गया? पुलिस ने तो उसे पकड़ा हुआ होगा नश जिस तरह से यूपी में सब कुछ छिपाया जा रहा है या मार दिया जा रहा है। ठीक ऐसी ही बातें टीएमसी सांसद महुआ मोईत्रा ने कही हैं, उन्होंने इसे यूपी 2.0 बताया है। बता दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 9 साल के कार्यकाल में राज्य में 17,043 पुलिस मुठभेड़ की घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 289 अपराधियों की मौत हुई है। ऐसी मुठभेड़ों पर कई बार मानवाधिकार कार्यकर्ता और कानूनविद सवाल उठा चुके हैं। पुलिस का काम अपराधी को पकड़ना है, उसे सजा देने का अधिकार न्यायालय का है। लेकिन मुठभेड़ों के सिलसिले रुक ही नहीं रहे हैं।

भारत के आर्थिक विकास को रोकने के लिए अमेरिका सब कुछ करेगा

सात्यकी चक्रवर्ती

ट्रंप–मोदी की दोस्ती और भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने के बीच, पूर्व भारतीय गुप्तचर विभाग के प्रमुख विक्रम सूद ने रविवार को एक ब्रिटिश नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडाऊ ने मार्च 2026 में अपने भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों से कहा था कि वाशिंगटन भारत की तेज आर्थिक विकास को रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करेगा और भारत को अमेरिका के साथ मुकाबला करने वाली एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरने नहीं देगा। सूद के मुताबिक लैंडाऊ ने उस नई दिल्ली बैठक में कहा था, श्हमने चीन को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने में मदद करके गलती की। हम भारत के साथ ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हम वह गलती दोबारा नहीं करेंगे।श सूद ने यह साक्षात्कार ब्रिटिश करेंट अफेयर्स प्रोग्राम न्यू ऑर्डर में दिया था, जिसे होस्ट ने लैंडाऊ की टिप्पणी के मूल वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस साक्षात्कार ने राजनयिक हल्कों में हंगामा मचा दिया है। लैंडाऊ अभी भी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हैं और उन्हें ट्रंप की मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) लॉबी के साथ–साथ अपने बॉस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो के भी करीब माना जाता है। जहां तक भारत–अमेरिकी रिश्तों की बात है, रुबियो सबसे ज्यादा दिखने वाले अमेरिकी अधिकारी हैं, लेकिन लैंडाऊ ट्रंप प्रशासन के मन की बात कहते हैं। वह द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य के बारे में अमेरिकी सोच के बारे में खुलकर बात करते हैं। हाल के दिनों में, ट्रंप प्रशासन भारत सहित भारत–प्रशांत सुरक्षा के अपने पुराने विचार में कम दिलचस्पी ले रहा है। ट्रंप प्रशासन की बड़ी एशिया रणनीति में भारत की अहमियत कम हो गई है। यह सब इस साल मई में बीजिंग में ट्रंप–शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन के बाद हुआ है। नतीजतन, अब उसका ध्यान भारत से व्यापार और रक्षा खरीद में ज्यादा से ज्यादा छूट लेने पर है, और साथ ही यह पक्का करना है कि भारत के विकास की रफ्तार अमेरिकी आर्थिक शक्ति के लिए कोई खतरा न बने। भारतीय विदेश मंत्रालय भी अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाऊ की टिप्पणी के असली मतलब का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि लैंडाऊ ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका अब भारत के मामले में ऐसी गलती नहीं करेगा। चीनी जानकारों ने नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के नजरिए को लिमिटेड इंगेजमेंट और सीलिंग कंट्रोल की दोहरी रणनीति बताया। उसने तर्क दिया कि अलग–अलग राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं, विश्व व्यवस्था के नजरिए, भूराजनीतिक हितों, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और राजनयिक परंपराओं से पैदा हुए गहरे ढांचागत विरोधाभासों को भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत या आर्थिक सहयोग से पूरी तरह हल नहीं किया जा सकता। सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियानफेंग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका–भारत संबंधों का तेजी से विस्तार एक हद तक पहुंच रहा है, क्योंकि दोनों देश ऐसे ढांचागत विरोधाभासों का सामना कर रहे हैं जिन्हें सुलझाना मुश्किल है। ये अंतर उनके विकास के अलग–अलग चरण, रणनीतिक संस्कृति, भूराजनीतिक स्थिति, राजनयिक परंपराओं और उनके नेतृत्व के विदेश नीति आधार से पैदा होते हैं। कियान ने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता के लिए भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता, वॉशिंगटन के सहयोग आधारित दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है। नई दिल्ली ने अमेरिका के रणनीतिगत मकसदों के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय, अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लगातार एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है। क्वाड और भारत–प्रशान्त रणनीति जैसे ढांचे के अंदर भी भारत अमेरिका के साथ एक औपचारिक सहयोगी या कनीय सुरक्षा भागीदार के बजाय एक बराबर के भागीदार के तौर पर जुड़ना चाहता है। ऑफिशियल मीडिया में चीनी विशेषज्ञ की इस टिप्पणी से पता चलता है कि चीन अब भारत–चीन द्विपक्षीय संबंध को बेहतर बनाने के लिए भारत को लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने पहले के इस रूख को नरम कर दिया है कि अमेरिका ने अपनी भारत–प्रशान्त रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर लिया है, जो मुख्य रूप से चीन के खिलाफ थी। चीनी विश्लेषक का जोर इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दबाव को नजरअंदाज करते हुए एक स्वतंत्र नीति अपनाने की कोशिश कर रहे थे। चीनी विशेषज्ञ के मुताबिक लैंडाऊ की बातें भारत के प्रति वॉशिंगटन के बड़े दृष्टिकोण को दिखाती हैं, और वह है भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली का समर्थन मांगते हुए उसे औद्योगिक श्रृंखला के निचले सिरे पर लॉक करना। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी रणनीति भारत के रणनीतिगत लक्ष्यों के खिलाफ है। कियानफेंग के अनुसार, श्उद्योगीकरण सभी विकासशील देशों का एक कानूनी अधिकार है। जीरो–सम सोच (एक का लाभ दूसरे की हानि है) से प्रेरित होकर, अमेरिका दूसरे देशों के विकास पर एक सीमा लगाना चाहता है। टैरिफ और तकनीकी रुकावटों के जरिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को तोड़कर, यह भारत को ब्रिक्स फ्रेमवर्क के साथ–साथ चीन और रूस के साथ सहयोग को और गहरा करने के लिए ही प्रेरित करेगा, जिससे औद्योगिक श्रृंखला के विविधिकरण में तेजी आएगी। अभी भारत और अमेरिका 2026 के खत्म होने से बहुत पहले व्यापार समझौते को पूरा करने की दौड़ में लगे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 99 प्रतिशत मुद्दे बातचीत में सुलझा लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार का ढांचा लगभग तैयार है। लेकिन भारत–अमेरिका व्यापार बातचीत के आखिरी दौर में भी, अमेरिका ने सेक्शन 301 के तहत प्रतिबंध लगाने की बात कही। इसका मतलब था कि जांच के दायरे में आने वाले देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) पर 12.5 प्रतिशत ड्यूटी लगाई जाएगी। प्रस्तावित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं। अब समय आ गया है कि नरेंद्र मोदी सरकार हिम्मत दिखाए और भारतीय किसानों और अन्य वर्गों के हितों की रक्षा करे, ठीक वैसे ही जैसे अमेरिकी वार्ताकार अपने किसानों और उद्योगों के हितों की रक्षा कर रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है और इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। इसकी तरक्की इसके संसाधनों, मानव पूंजी और कई अन्य संपत्तियों पर निर्भर करती है। देश को निश्चित रूप से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की जरूरत है। लेकिन यह समझौता बराबरी के आधार पर होना चाहिए। किसी भी देश को, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, भारतीय अर्थव्यवस्था की तरक्की को दबाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान भारत की रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देना ही अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाऊ को सबसे माकूल जवाब होगा। चीन ने ऐसा करके दिखाया है। भारत भी अमेरिका के साथ बराबरी के स्तर पर बातचीत करके ऐसा ही कर सकता है।

आठवां अजूबा रचते महामानव–विश्वगुरु

सर्वमित्रा सुरजन

दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता हैय जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वर्ना वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मो–सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है। मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बताने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉर्मूले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है, 1 और 7 का जोड़ भी आठ ही होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है। 1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे–सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15–15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कही किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार–बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है। मोदी अगर कहते कि मैं सबके खाते में 17–17 लाख डालूंगा, तब उनसे सवाल किए जाने थे। वैसे आठ से मोदी का रिश्ता केवल गणतंत्र दिवस और जन्मदिन तक सीमित नहीं है। वो अपने कार्यकाल की शुरुआत से इसे निभाते आ रहे हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, यहां भी जोड़ आठ बैठा। इसमें आठ देशों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की थी, पाकिस्तान से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका से राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान से राष्ट्रपति हामिद करजई, नेपाल से प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, भूटान से प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, मालदीव से राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन, बांग्लादेश से संसद की स्पीकर शिरिन शर्मिन चौधरी और मॉरीशस से प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के साक्षी बने। मोदी ने नोटबंदी का फैसला 8 नवंबर को ही लिया। जब राष्ट्र के नाम संबोधन करना हो तो मोदी रात आठ बजे का वक्त ही चुनते थे। पिछले कुछ बार से इसमें तब्दीली आई है वर्ना आठ से मोदी का रिश्ता तोड़ना कठिन था। सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे और अक्टूबर 2001 में नरेंद्र मोदी को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब तक मोदी विधायक तक नहीं बने थे, लेकिन सारे दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए अटलबिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 24 फरवरी 2002 को हुए उपचुनाव में मोदी पहली बार विधायक बने। इस संख्या के जोड़ में अतिरिक्त दो आ गया है, लेकिन ये वैसा ही है जैसे मोदी ने एक्स्ट्रा 2 एबी का फार्मूला कनाडा में बताया था। ये भी मोदी की राजनैतिक दूरदर्शिता ही है कि आठ के अंक के अलावा 2 एक्स्ट्रा साथ में रखो, न जाने कब कहां कौन सा फार्मूला फिट करने की जरूरत पड़ जाए। विश्वगुरु मोदी के लिए नए फार्मूले गढ़ना तो बाएं हाथ का काम है। अपनी बुद्धि का कमाल वो अमेरिका में भी दिखा चुके हैं। ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन बोलते रह गए, मोदी ने फौरन उसमें फिट होने का प्लान तैयार किया, और कह दिया कि मेक इंडिया ग्रेट अगेन, फिर मागा और मीगा को मिलाकर मेगा कैसे बनता है, ये संधि ट्रंप को समझा दी। आठ का गणित यहां भी काम कर गया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन में चार शब्द हैं और मेक इंडिया ग्रेट अगेन में भी चार, चार और चार आठ होते हैं। इस फॉर्मूले के बाद कायदे से नासा वालों को कोई नया ग्रह खोजकर उसका नाम मोदी एट जैसा कुछ रख देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि सौरमंडल के नवग्रहों को आठ ग्रह बनाने का फैसला क्या मोदी से प्रेरित होकर लिया गया। 24 अगस्त 2006 तक बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून के साथ प्लेटो भी सौरमंडल के ग्रहों में शामिल था, लेकिन इस दिन प्लेटो को अलग कर केवल आठ ग्रहों को मान्यता दी गई। अभी महाद्वीप तो सात ही हैं, देखना होगा कि आठ के आकार जैसा अनंत रूप धरने वाले मोदी की प्रेरणा से आठवां महाद्वीप बनता है ।

`मुझे सही डायग्नोसिस नहीं मिला था', शमिता शेट्टी किस बीमारी से महीनों तक परेशान रहीं ? साझा की अपनी तकलीफ

शमिता शेट्टी ने हाल ही में एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर में अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स का, उनके इलाज का खुलकर जिक्र किया। लगभग आठ महीने तक वह परेशान रहीं, अपनी बीमारी की वजह तलाशती रहीं, क्योंकि उन्हें लंबे वक्त तक अपनी बीमारी के लक्षणों का पता ही नहीं चला। वह डॉक्टर्स के चक्कर काटती रहीं। आखिर में जाकर उन्हें सर्जरी कराने का फैसला लिया। इस पूरे अनुभव का जिक्र शमिता शेट्टी ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर किया। शमिता पॉडकास्ट में कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे मामले में मैंने इसे काफी समय तक अपनी समस्या को नजरअंदाज किया। शुरुआत में मुझे सही डायग्नोसिस नहीं मिला था। जब भी मुझे कुछ लक्षण महसूस होते तो मैं खुद से कहती कि शायद यह नॉर्मल है। जब मैं पहली बार अपनी गायनेकोलॉजिस्ट के पास इन दिक्कतों को लेकर गई, तो उन्होंने सभी रूटीन टेस्ट किए, जैसे पैप स्मीयर और बाकी चीजें, जिससे यह पक्का हो सके कि सब ठीक है।' शमिता आगे कहती हैं, 'जब वे रिपोर्ट्स नॉर्मल आईं, तो किसी ने यह नहीं सोचा कि क्या कोई और समस्या हो सकती है। बात वहीं खत्म हो गई। इसलिए जब भी लक्षण वापस आते तो मैं सोचती कि पिछली बार तो कुछ नहीं निकला था, तो शायद यह नॉर्मल है। शायद यह हर महिला के साथ होता होगा।' शमिता ने कुछ महीने यही सोचकर निकाल दिए कि उनको कोई बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम नहीं। वह आगे कहती हैं, 'हम जो दर्द महसूस करते हैं, उसे असल में जाहिर नहीं करते हैं। बहुत सी चीजें, चाहे वह पीरियड का दर्द हो या हार्मोन से जुड़ी कोई बात, औरतों के लिए नॉर्मल मान ली जाती हैं। हमसे बस यही उम्मीद की जाती है कि हम उनके साथ ही जिएं। मेरे मामले में, सर्जरी से लगभग छह से आठ महीने पहले दर्द की तीव्रता सच में बहुत बढ़ गई थी।' शमिता आगे कहती हैं, 'मैं भी बहुत कन्फ्यूज्ड थी क्योंकि यह सब उसी समय हुआ जब मैं पेरिमेनोपॉज के बारे में जान रही थी। मेरे हार्मोन्स में पहले से ही बहुत बदलाव हो रहे थे, इसलिए मैं समझ नहीं पा रही थी कि जो मैं महसूस कर रही हूं, वह पेरिमेनोपॉज का ही हिस्सा है या कुछ और गड़बड़ है।' बाद में शमिता को एंडोमेट्रियोसिस प्रॉब्लम का पता चला और उनको सर्जरी करवानी पड़ी।

> "
>
> शमिता आगे कहती हैं, 'जब वे रिपोर्ट्स नॉर्मल आईं, तो किसी ने यह नहीं सोचा कि क्या कोई और समस्या हो सकती है। बात वहीं खत्म हो गई। इसलिए जब भी लक्षण वापस आते तो मैं सोचती कि पिछली बार तो कुछ नहीं निकला था, तो शायद यह नॉर्मल है।

प्यार पर लगी मेहंदी की मुहर, जाह्नवी कपूर ने अपने हाथ पर लिखवाया बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का निकनेम शिखू

हाल ही में हुए अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन में जाह्नवी कपूर ने अपने खूबसूरत अंदाज से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस खास मौके पर उन्होंने फैशों डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की हुई बेहद एलिगेंट साड़ी पहनी, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है लेकिन इस बार लोगों की नजर सिर्फ उनके आउटफिट पर ही नहीं बल्कि उनकी मेहँदी पर भी टिक गई। जाह्नवी की मेहंदी में छिपी एक खास डिटेल ने फैंस को हैरान कर दिया। मेहंदी के डिजाइन में शिखर पहाड़िया के लिए उनके प्यार की झलक देखने को मिली, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान अपंनी ओर खींच लिया और इस छोटे से इशारे की हर तरह चर्चा शुरू हो गई। हाल ही में जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अंशुला कपूर के वेडिंग रिसेप्शन की कई खूबसूरत तस्वीरें साझा की। इन तस्वीरों में उनके स्टाइलिश रिसेप्शन लुक की खूब तारीफ हुई लेकिन फैंस की नजर उनकी मेहंदी पर बनी एक खास डिटेल पर जाकर टिक गई। तस्वीरों को ध्यान से देखने पर लोगों ने पाया कि जाह्नवी ने अपनी मेहंदी में बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का निकनेम शिखू लिखवाया है। खास बात यह है कि उन्होंने शिखर का पूरा नाम लिखवाने की वजह निकनेम शिखू लिखवाया है। यह नाम बेहद सादगी और खूबसूरती के साथ मिनिमल मेहंदी डिजाइन में शामिल किया गया था, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का खूब ध्यान खींचा और दोनों के रिश्ते को लेकर एक बार फिर से वो सुर्खियों में आ गई हैं। पिछले काफी सालों से जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया का रिश्ता काफी समय से सुर्खियों में बना हुआ है। दोनों को अक्सर मंदिरों में दर्शन करते, फैमिली फंक्शन और सार्वजानिक आयोजनों में साथ देखा जाता है, जहां उनकी केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींच लेती है। बताया जाता है कि दोनों ने साल 2016 में एक–दूसरे को डेट करना शुरू किया था लेकिन किसी वजह से दोनों के रास्ते अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2023 के बाद से दोनों को काफी जगहों पर साथ में देखा गया। इस वजह से दोनों की लव स्टोरी की चर्चाएं फिर से शुरू हो गईं। धीरे–धीरे दोनों ने भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक तौर पर स्वीकारना शुरू कर दिया। इसी साल उनकी शादी को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई गईं, लेकिन बाद में जाह्नवी के पिता बोनी कपूर ने इन खबरों को महज अफवाह बताते हुए शादी की चर्चाओं पर विराम लगा दिया।

दिल्ली हाई कोर्ट में राजपाल यादव की अपील खारिज, क्या अभिनेता फिर जाएंगे जेल ?

चेक बाउंस मामले में राजपाल यादव की अपील खारिज हो गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को चेक बाउंस के मामलों में अभिनेता राजपाल यादव की सजा को बरकरार रखा और उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली राजपाल यादव की अपील खारिज कर दी गई है। राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। दरअसल, अभिनेता ने ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की थी। मगर, उनकी अपील खारिज कर दी गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस से जुड़े मामले में अभिनेता की सजा को बरकरार रखा है। ऐसे में सवाल है कि क्या राजपाल यादव फिर जेल जाएंगे? दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद अभिनेता को दोबारा जेल जाना पड़ सकता है।

चेक बाउंस के मामलों में अभिनेता राजपाल यादव की सजा बरकरार रखी गई। उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने राजपाल यादव को सात शिकायतों में से हर एक में शिकायतकर्ता को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। हालांकि, जज ने साफ किया कि एक्टर की ओर से पहले ही चुकाए गए लगभग 2 करोड़ रुपये को इसमें एडजस्ट किया जाएगा। कोर्ट ने राजपाल यादव को इस फैसले के खिलाफ अपील करने वाली अदालत में जाने के लिए दो महीने का समय भी दिया।

अदालत की कार्यवाही राजपाल यादव और उनकी पत्नी द्वारा दायर उन रिविजन याचिकाओं पर हुई, जिनमें उन्होंने सेशंस कोर्ट के 2019 के फैसले को चुनौती दी थी। दरअसल, सेशंस कोर्ट ने अप्रैल 2018 में मजिस्ट्रेट कोर्ट द्वारा चेक–बाउंस के मामलों में उन्हें दोषी ठहराए जाने के फैसले को बरकरार रखा था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अभिनेता को छह महीने की सजा सुनाई थी।

जून 2024 में, हाई कोर्ट ने उनकी सजा पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी, लेकिन इसके लिए शर्त यह थी कि वे दूसरी पार्टी के साथ आपसी समझौते की संभावना तलाशने के लिए ईमानदारी से कोशिश करें। उस समय राजपाल यादव के वकील ने कहा था कि यह एक फिल्म के प्रोडक्शन के लिए फंड जुटाने का एक लेन–देन था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही, जिससे यादव को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

हालांकि, 2 फरवरी को कोर्ट ने राजपाल यादव से 04 फरवरी को सरेंडर करने को कहा, क्योंकि उन्होंने पैसे चुकाने के लिए कोर्ट से किए गए वादों को बार–बार तोड़ा था। 16 फरवरी को कोर्ट ने उनकी सजा पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी और शिकायतकर्ता के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपये जमा करने के बाद उन्हें जेल से रिहा करने की इजाजत दी। साल 2010 में राजपाल यादव ने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म श्अता पता लापताश बनाने के लिए मुर्गली प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से पांच करोड़ रुपये की राशि लोन के रूप में ली थी। श्अता पता लापताश बॉक्स ऑफिस पर चली नहीं। कथित तौर पर राजपाल यादव को आर्थिक नुकसान हुआ। कर्ज के रूप में ली गई कंपनी की धनराशि वे लौटा नहीं पाए। कंपनी ने राजपाल यादव के खिलाफ केस किया और साथ ही यह आरोप भी लगाया कि उन्होंने लोन वापस करने के लिए जो कुछ चेक जारी किए थे वे सभी बाउंस हो गए। एक्टर के खिलाफ चेक बाउंस का केस दर्ज किया गया। ये चेक फिल्म प्रोडक्शन के लिए दिए गए थे, लेकिन पैसे नहीं मिले।

चेक बाउंस मामले में निचली अदालत ने राजपाल यादव को दोषी ठहराया और 6 महीने की जेल की सजा सुनाई। मामला हाईकोर्ट में पहुंचा तो पहले हाईकोर्ट ने अभिनेता की सजा को कुछ समय के लिए रोक दिया था, लेकिन शर्त रखी थी कि वे कंपनी को पैसे चुकाएंगे। कोर्ट में कई बार वादा किया गया, लेकिन राजपाल यादव ने बार–बार पैसे नहीं चुकाए। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार बहुत गलत है और वे कोर्ट के भरोसे को तोड़ रहे हैं। कोर्ट में कई बार समझौता हुआ, बार–बार राजपाल यादव ने पैसे देने का वादा किया। मगर, उन्होंने समय पर पैसे नहीं दिए। कोर्ट ने उन्हें कई मौके दिए, लेकिन हर बार वादा तोड़ा गया।

02 फरवरी को जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि अब और राहत नहीं दी जा सकती।

हाई कोर्ट ने 02 फरवरी 2026 को राजपाल यादव को आदेश दिया था कि वे बुधवार 04 फरवरी 2026 को आत्मसमर्पण करें।

साथ ही एक्टर की इस बात को लेकर आलोचना भी हुई कि उन्होंने बार–बार कोर्ट का भरोसा तोड़ा है।

हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद राजपाल यादव ने 04 फरवरी को सरेंडर नहीं किया था।

उन्होंने इस मामले में और मोहलत मांगी, मगर कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

हाईकोर्ट की सख्ती और कोई मोहलत न मिलने के बाद आखिर राजपाल यादव ने आज गुरुवार 05 फरवरी 2026 को तिहाड़ में आत्मसमर्पण कर दिया।

म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे आदित्य रॉय कपूर, मिलाप जावेरी करेंगे फिल्म का निर्देशन

फिल्म निर्माता भूषण कुमार और आदित्य रॉय कपूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं। इससे पहले दोनों आशिकी 2 और मलंग जैसी हिट फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब दोनों साथ में एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे। आईएएनएस के अनुसार, मिलाप जावेरी और आदित्य रॉय कपूर एक म्यूजिकल लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। मिलाप जावेरी ने कहा कि आदित्य में प्यार और दर्द को पर्दे पर दिखाने का एक अनोखा टैलेंट है। इस फिल्म में उनका किरदार काफी गहरा और दमदार होगा, जिसे दर्शक बेहद पसंद करेंगे। सत्यमेव जयते और मरजावां जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध मिलाप जावेरी ने बताया कि इस आगामी म्यूजिकल ड्रामा लव स्टोरी में दर्शकों को जबरदस्त एक्शन, बेहतरीन डायलॉग और रोमांस दिल को छू लेगा। बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। इसकी शूटिंग इसी साल 2026 के आखिर में शुरू होगी और यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। आदित्य रॉय कपूर ने एक लोकप्रिय चैनल पर एक वीडियो जॉकी के रूप में शुरू किया था। उन्होंने 2009 में फिल्मों में कदम रखा और 2013 की ब्लॉकबस्टर आशिकी 2 ने उन्हें रातोंरात एक रोमांटिक स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने यह जवानी है दीवानी और मलंग जैसी सफल फिल्मों में काम किया है। अब वह मिलाप जावेरी की म्यूजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगे।

हर चुनौती के बीच नाच रही हूं, बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए जिम में थिरकीं करिश्मा

करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा के घर जल्द किलकारी गूंजने वाली है। कपल के परिवार का विस्तार होने वाला है। नन्हे मेहमान के स्वागत से पहले परिवार में उत्साह और खुशहाली है। बच्चे के जन्म से पहले करिश्मा तन्ना प्रेग्नेंसी के सुनहरे पलों की खूबसूरत यादें सहेज रही हैं। इस कड़ी में हर चुनौती को पीछे छोड़ वे सिर्फ अच्छे पलों को जी रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह जिक्र किया है। करिश्मा तन्ना ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वे जिम में हैं। व्हाइट टीशर्ट और ब्लैक ओअर में वे पूरे जिम में थिरक रही हैं। अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते हुए करिश्मा तन्ना ने कमाल का डांस किया है। यह डांस उन्होंने पूरे नौ महीने की प्रेग्नेंसी के दौरान किया है। करिश्मा तन्ना ने कैप्शन लिखा है, श्9 महीने! कुछ दिन भारी होते हैं। कुछ दिन दर्दभरे होते हैं और कुछ दिन..., आप वैसे भी खुशी चुनते हैं। मैं यहां हूं। दर्द, सूजे हुए पैरों, सांस फूलने और इस खूबसूरत सफर में आने वाली हर छोटी चुनौती के बीच नाच रही हूं। इसलिए नहीं कि यह आसान है, बल्कि इसलिए कि यह छोटा बच्चा इस बात का हकदार है कि उसकी मां एकदम खुश हो। ऐसे पल सहेज रही हूं, जिन्हें मैं हमेशा मुस्कुराहट के साथ याद करूंगी।

छोटी-छोटी भूख के लिए फटाफट बनाएं वेज मैकरोनी, बच्चे क्या बड़े भी हो जाएंगे फैन

मैकरोनी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। बच्चे से लेकर ये बुढ़ों की भी फेवरेट डिश होती है। लेकिन ये खाने में जितनी टेस्टी है बनाने में भी ऊतनी ही आसान है। इसे आप ढेर सारी सब्जियां डालकर बनाएं तो ये बेहद हेल्दी डिश भी बन जाएगी। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं इस डिश को बनाने का तरीका...

सामग्री

मैकरोनी– 1 कप
प्याज– 2
शिमला मिर्च– 1
टमाटर प्यूरी– 1 कप
गरम मसाला– 1 टीस्पून
लाल मिर्च पाउडर– 1/4 टीस्पून
टोमैटो सॉस– 1/4 टीस्पून
पास्ता मसाला पैकेट– 1
नमक स्वादानुसार
तेल जरूरत के हिसाब से

वेज मैकरोनी बनाने की विधि

1. वेज मैकरोनी बनाने के लिए सबसे पहले प्याज और शिमला मिर्चा को छोटा–छोटा काट लें।

2. इसके बाद पैन में तेल डालकर मीडियम आंच में गर्म करें।

3.इसमें प्याज और शिमला मिर्च डालकर हल्का भून लें।

4. जब प्याज और शिमला मिर्च हल्की ट्रांसपेरेंट होने लगे तब टमाटर प्यूरी डालकर 2 मिनट तक पकाएं।

5. इसमें पास्ता मसाला, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाएं।

6. मसाले के तेल छोड़ने पर इसमें मैकरोनी डालकर मिक्स कर 1 से ड़ेढ कप पानी डालकर ढककर पकने दें।

7. जब मैकरोनी का सारा पानी सूख जाए तब टोमैटो सॉस डालकर 2 मिनट पकाएं।

8. तय समय के बाद गैस बंद कर मैकरोनी प्लेट पर निकाल लें।

9. तैयार है वेज मैकरोनी।

बेडरुम की दीवार को देना है कुछ हटके स्वावा तो यहां देखें बेहतरीन आइडियाज

महिलाओं को घर सजाने का बहुत शौक होता है। वह अक्सर चाहती हैं कि उनका घर हर किसी से अलगऔर सुंदर दिखे। इसके लिए वह नए–नए तरीकों के साथ घर को अट्रैक्टिव लुक देना चाहती हैं। घर की बात करें तो उसमें बेडरुम भी सबसे जरुरी हिस्सा होता है। सारे दिन की थकान के बाद चौन की नींद के लिए सभी बेडरुम में ही जाते हैं। ऐसे में अगर इसे अच्छे

से सजाया जाए तो नींद भी अच्छी आएगी और आपको पॉजिटिव वाइब्स भी मिलेगी। तो चलिए आज आपको बताते हैं बेडरुम डेकोरेट करने के कुछ आइडियाज....

आप चाहें तो बेडरुम में सिंपल सी एक पेंटिंग और इस तरह साइड पर दो वॉल हैंगिंग्स लगाकर इसे डेकोरेट कर सकती हैं।

अगर आप बेडरुम को पूरी रॉयल वाइब्स देना चाहती हैं तो इस तरह का डेकोरेशन करवा सकती हैं।

फ्लॉवर वॉलपेपर डेकोर भी आपके बेडरुम को एक अच्छी वाइब देगा।

बेडरुम की वॉल पर आप लैंप्स और इस तरह प्लांट लगाकर उसे एक अलग डेकोर लुक दे सकती हैं।

दीवार पर ऐसे छोटी–छोटी सीनरी लगाकर आप बेडरुम की वॉल को रॉयल टच दे सकती हैं।

सिंपल के साथ–साथ अगर आप दीवार को कुछ स्टाइलिश दिखाने की सोच रही हैं तो इस तरह गोल्डन और सिल्वर लीफ लगाकर वॉल को परफेक्ट लुक दे सकती हैं।

बेकार पड़ी थालियां आप बेडरुम की वॉल पर लगाकर उन्हें अच्छे से सजा सकती हैं।

छोटे–छोटे स्टार्स लगाकर आप बेडरुम की वॉल सजा सकती हैं।

इस तरह के आर्ट्स एंड क्रॉफ्ट्स वॉल को रॉयल लुक देंगे।

दीवार पर आप पॉजिटिव कॉट्स लगाकर उसे एक हटके टच दे सकती हैं।

4 शुभ संयोग में शुरू होगा सावन 2026, जानें रुद्राभिषेक की शुभ तारीखें

भगवान शिव को समर्पित सावन का महीना इस वर्ष बेहद खास रहने वाला है। सावन की शुरुआत एक साथ चार शुभ संयोगों में हो रही है, जिसे धार्मिक दृष्टि से अत्यंत मंगलकारी माना जा रहा है। मान्यता है कि इस पवित्र महीने में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, मंत्र जाप और शिव आराधना करने से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। आइए जानते हैं कि सावन 2026 कब से शुरू हो रहा है, पहले दिन कौन–कौन से शुभ योग बन रहे हैं और रुद्राभिषेक कराने की सबसे शुभ तिथियां कौन–सी हैं।

कब से शुरू होगा सावन 2026?

हिंदू पंचांग के अनुसार श्रावण मास की शुरुआत 30 जुलाई 2026 (गुरुवार) से होगी। कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 8.05 बजे शुरू होकर 30 जुलाई की रात 9.30 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर 30 जुलाई से सावन का आरंभ माना जाएगा।

सावन के पहले दिन बन रहे हैं 4 शुभ संयोग

इस बार सावन की शुरुआत चार अत्यंत शुभ संयोगों में हो रही है, जिससे इस दिन की पूजा का महत्व और बढ़ जाता है।

आयुष्मान योगः सावन के पहले दिन आयुष्मान योग रहेगा। यह योग उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और सुख–समृद्धि प्रदान करने वाला माना जाता है। इस योग में भगवान शिव का अभिषेक और पूजा करने से आरोग्य की प्राप्ति होती है।

सौभाग्य योगः प्रतिपदा तिथि पर सौभाग्य योग का भी संयोग रहेगा। यह योग जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ाने वाला माना जाता है। इस शुभ समय में की गई शिव उपासना विशेष फलदायी मानी जाती है।

गुरुवार का संयोगः सावन की शुरुआत गुरुवार से हो रही है। गुरुवार भगवान विष्णु का दिन माना जाता है, जबकि पूरा सावन भगवान शिव को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन शिव और विष्णु दोनों की पूजा का विशेष महत्व रहेगा।

श्रवण नक्षत्रः सावन के पहले दिन श्रवण नक्षत्र का भी संयोग रहेगा। इस नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा और देवता भगवान विष्णु हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह नक्षत्र पूजा–पाठ, जप और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है।

सावन में रुद्राभिषेक का महत्व

रुद्राभिषेक भगवान शिव की सबसे प्रभावशाली पूजा विधियों में से एक मानी जाती है। मान्यता है कि रुद्राभिषेक करने या कराने से ग्रह दोष शांत होते हैं, जीवन की बाधाएं दूर होती हैं, मानसिक शांति मिलती है और सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूरे सावन माह में शिव का विशेष वास माना जाता है, इसलिए इस पूरे महीने किसी भी दिन रुद्राभिषेक कराया जा सकता है। हालांकि सावन सोमवार, सावन शिवरात्रि और प्रदोष व्रत की तिथियां विशेष रूप से शुभ मानी जाती हैं।

सावन 2026 में रुद्राभिषेक की सबसे शुभ तिथियां

3 अगस्त 2026 (सोमवार) : पहला सावन सोमवार

10 अगस्त 2026 (सोमवार) : दूसरा सावन सोमवार एवं सोम प्रदोष व्रत

11 अगस्त 2026 (मंगलवार) : सावन शिवरात्रि

17 अगस्त 2026 (सोमवार) : तीसरा सावन सोमवार एवं नाग पंचमी

24 अगस्त 2026 (सोमवार) : चौथा सावन सोमवार

25 अगस्त 2026 (मंगलवार) : सावन भौम प्रदोष व्रत

27 अगस्त 2026 (गुरुवार) : सावन पूर्णिमा

सावन में करें ये विशेष पूजा

शिवलिंग पर गंगाजल और जल अर्पित करें।

बेलपत्र, धतूरा, भांग, आक के फूल और सफेद पुष्प अर्पित करें।

ओमः नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

रुद्राष्टाध्यायी या महामृत्युंजय मंत्र का पाठ करें।

अपनी श्रद्धा के अनुसार रुद्राभिषेक कराएं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई शिव आराधना से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं तथा भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

होने वाली दुल्हन पहले ही बैग में रख लें ये सामान, ससुराल में नहीं रहेगी कोई टेंशन

शादी की खुशी जितनी ज्यादा दुल्हन को होती है उतनी चिंता भी उसे होती है। हर लड़की चाहती है कि उसके खास दिन में कोई कमी ना रहे। शादी का दिन निकल जाने के बाद चिंता रहती है ससुराल की जहां उसे अपनी नई जिंदगी की शरुआत करनी होती है। अगर आपकी भी जल्द शादी होने जा रहे है और आप इस स्ट्रेस में हैं कि अपने साथ क्या लेकर जाएं क्या नहीं तो हम आपकी कुछ मदद कर सकते हैं।

बनाएं प्लानिंग

हम यहां आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास टिप्स, जिनकी मदद से आप शादी का दिन स्ट्रेस–फ्री निकाल सकती हैं। हर लड़की अपनी बैग पैकिंग को लेकर अकसर कन्फ्यूस हो जाती है, वह समझ ही नहीं पाती है कि अपने साथ ससुराल में क्या–क्या लेकर जाए। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले से ही प्लानिंग कर लें, ताकि मिस मैनेजमेंट ना हो और सबकुछ अच्छी तरह से हो जाए।

पहले ही डिसाइड कर लें कपड़े

शादी के तुरंत बाद ससुराल में कई तरह की रस्में होती हैंख्ऐ से में अपने रोजाना के कपड़ों के साथ ही कुछ पारंपरिक कपड़े भी जरूर रखें। पहले ही सह तय कर लें कि किस दिन आपको कौन से कपड़ा पहनना है, उसके हिसाब से ही सामान सेट करें। अपने अंडरगारमेंट्स रखना बिल्कुल न भूलें. हो सके तो कुछ एक्सट्रा सेट्स ही रख लें।

छोटी–छोटी चीजें भी हैं जरूरी

मेकअप का सामान एक नई–नवेली दुल्हन के लिए बहुत जरूरी होता है. इसलिए अपने साथ अपनी मेकअप किट जरूर ले जाएं। इनके साथ सेफ्टी पिंस, हेयर बैंड, कंघी, टिशू रखना ना भूलें।इन छोटी–छोटी चीजों की जरूरत पड़ती रहती है। इसलिए इस तरह का सामान पहले ही रख लें।

जरूरी दवाइयां

शादी का समय और उसके बाद के कुछ दिन काफी स्ट्रेसफुल होते हैं, हो सकता है कि आप दिन रात फंक्शन अटेंड करके थक जाएं। हाई हील्स के कारण पैरों में भी दर्द हो सकता है और पेन किलर्स की जरूरत भी पड़ सकती है। आप उन सभी दवाओं की लिस्ट बनाएं जिनकी जरूरत आपको किसी ना किसी तरह से पड़ सकती है और आप उन्हें अपने ब्राइडल सूटकेस में जरूर रखें।

अपने बैग में पैड रखना न भूलें

कंफर्टेबल कपड़े

अधिकतर दुल्हनें ये गलती करती हैं कि वो अपने सूटकेस में कंफर्टेबल कपड़े नहीं रखतीं या फिर एक ही सेट रखती हैं। रात में चौन की नींद सोने के लिए हैवी कपड़े नहीं बल्कि कुछ आरामदायक वीजें ही काम आएंगी।

चार्जर

किसी जरूरी चाभी, फोन चार्जर या फिर हेडफोन्स को अकसर लड़कियां भूल जाती हैं और बाद में उन्हें काफी दिक्त आती है। ऐसी गलती आप ना करें। सूटकेस पैक करते समय सबसे पहले इन चीजों को रखें। अगर सूटकेस के साथ कोई हैंडबैग ले जा रही हैं तो ये सारी चीजें उस बैग में रख दें।

सांवली लडकियों पर खूब जंचते हैं ये 5 लिपस्टिक शेड्स, आप भी जरूर करें ट्राई

अकसर सांवली लड़कियां अपने चेहरे पर ज्यादा मेकअप करने से कतराती हैं। खासकर जब मेकअप के नाम पर प्रोडक्ट्स काफी भड़कीले कलर के हों। उन्हें लगता है कि कलरफुल शेड्स उनके सूट नहीं करेंगे, पर ऐसा नहीं है। आपको चाहिए बस मेकअप सही से लगाने का तरीका और आप बहुत अट्रैक्टिव दिख सकती हैं। डार्क काम्पलेक्शन वाली लड़कियों को अकसर ये भी समझ नहीं आता है लिपस्टिक उनपर कौन सी सूट करेगी। चलिए हम आपको परेशानी को खत्म करते हैं और बताते हैं ऐसे 5 कलर शेड्स जो सांवली लड़कियों पर भी खूब जचेंगे...

कॉपर ब्राउन

कॉपर ब्राउन का शेड काम्पलेक्शन पर अट्रैक्टिव दिखता है। इस कलर के शेड आसानी से स्किन को मैच कर जाते हैं।

डीप रेड

रेड कलर देखने में बहुत अट्रैक्टिव तो है ही, साथ में सांवली लड़कियों को ये सूट भी करता है। मैट फिनिश जहां फॉर्मल लुक पर भी अच्छा दिखता है, वहीं ग्लिटरी डार्क रेड लिपस्टिक पार्टी में बेस्ट लुक देगा।

रोज पिंक

डीप रोज पिंक कलर डस्की काम्पलेशन के साथ बेहद खूबसूरत दिखता है। लाइट शेड हो या फिर इस कलर का डार्क शेड, दोनों ही शेड देखने में अच्छे लगते हैं। सबसे खास बात ये है कि इस कलर को डे और नाइट दोनों ही मौकों पर लगाया जा सकता है।

मैजंटा

रोज पिंक से अलग मैजेंटा आपको काफी वाइब्रेंट लुक देता है। इस आप खास मौकों पर अप्लाई करके अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

चॉकलेट ब्राउन

चॉकलेट ब्राउन कलर कॉपर ब्राउन से काफी अलग होता है। साथ ही ये काफी डीप लुक देता है। अगर आप काफी सेसी सा लुक देता हैं तो चॉकलेट ब्राउन लिपस्टिक को ट्राई करें। ये डस्की कॉम्प्लेक्शन पर बहुत खूबसूरत लगते हैं।

संक्षिप्त

अदाणी ग्रुप ने फ्रांस की कंपनी के साथ की साझेदारी,3500 करोड़ की धोखाधड़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और फ्रांस की क्लीन–टेक कंपनी डायोक्सिकल ने भारत में कम–कार्बन (लो–कार्बन) केमिकल उत्पादन को विकसित करने और बड़े स्तर पर बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस पहल की शुरुआत अदाणी ग्रुप के एक प्लांट में पायलट परियोजना से होगी, जहां कैप्चर किए गए कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) और नवीकरणीय बिजली (रेनेवेबल इलेक्ट्रिसिटी) की मदद से फॉर्मिक एसिड का उत्पादन किया जाएगा। पायलट परियोजना सफल रहने के बाद इस तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर लागू किया जाएगा। फॉर्मिक एसिड और उससे जुड़े उत्पादों का इस्तेमाल वस्त्र (टेक्सटाइल), कृषि और विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) सहित कई उद्योगों में व्यापक रूप से किया जाता है। इस परियोजना का उद्देश्य यह दिखाना है कि कैप्चर किए गए कार्बन उत्सर्जन को स्वच्छ ऊर्जा की मदद से उपयोगी औद्योगिक उत्पादों में बदला जा सकता है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) द्वारा बैंकों को 3,500 करोड़ रुपये से अधिक की कथित हानि से संबंधित अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह हानि धन के हेरफेर से हुई थी। गुरुवार को मुंबई की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने चार आरोपियों को नामजद किया है। इनमें आरएचएफएल, आरएचएफएल के दो पूर्व वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, रवींद्र सुधाकर (कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी) और कृष्णन गोपालकृष्णन अय्यर (मुख्य जोखिम अधिकारी) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, धनंजय भगवानप्रसाद तिवारी (मुख्य ऋण और जोखिम अधिकारी) को भी नामजद किया गया है। इन पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भारी हानि पहुंचाने के इरादे से आपराधिक षड्यंत्र और धोखाधड़ी के अपराधों का आरोप है। सीबीआई की जांच से पता चला है कि आरएचएफएल द्वारा उधार लिए गए धन को मध्यस्थ और वाहक संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों में भेजा गया था।

डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट में दूसरी छमाही के लिए क्या अनुमान?

मुंबई,एजेंसी। साल 2026 की दूसरी छमाही में सोने की कीमतें सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन आर्थिक या फिर भू–राजनीतिक तनाव के एक बार फिर से बढ़ने से इसमें तेजी आने की संभावना है, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अपनी मिड ईयर गोल्ड आउटलुक 2026 में यह बताया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार मौजूदा मैक्रो परिस्थितियों में 2026 की दूसरी छमाही के दौरान सोने का भाव लगभग 4,100 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास से 5 प्रतिशत तक गिर सकता है। हालांकि परिषद के परिदृश्य से पता है कि सोना 4,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की अपनी ऊपरी प्रवृति को फिर से शुरू कर सकता है यदि वैश्विक स्तर पर कोई स्पष्ट संकेत मिलते हैं तो सोने की कीमतें 4,500 से 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक बढ़ सकती हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार तीन वजहों से सोने में तेजी आने की संभावना बनती है, पहली बिगड़ती आर्थिक और भू–राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों बदलाव और दीर्घकालिक निवेशकों की बढ़ती भागीदारी प्रमुख हैं। रिपोर्ट के अनुसार वित्तिय बाजार में अस्थिरता और भू–राजनीतिक जोखिम ने ऐतिहासिक रूप से सोने की कीमतों को बढ़ाया है। देखा जाए तो जीपीआर सूचकांक में हर महीने 100 अंकों की वृद्धि से सोने की कीमतों में 2.5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी होती है। हालांकि फेडरल बैंक की ब्याज दरों में नरम रुख अपनाने की उम्मीद से सोने को लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने सोने की मांग पर प्रकाश डालते हुए बताया है, केंद्रीय बैंक और भारत जहां सबसे अधिक मांग है। भारत सोने की मांग के मामले में दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। जिसकी सालान मांग 800 टन है। अप्रैल की शुरुआत से सरकार ने आयात शुल्क को 6 प्रतिशत बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है और भारतीय रुपये पर दबाव की वजह से उपभोक्ताओं को सोने की खरीदारी नहीं करने के आग्रह और आयात कम करने के संदेश जारी किए गए हैं। इसलिए काउंसिल का अनुमान है, शुल्क में वृद्धि होने की वजह से आभूषण, सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग में 50–60 टन यानी 10 प्रतिशत की कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बैंकों ने साल 2022 से औसतन 1,000 टन प्रति वर्ष सोना खरीदा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने अनुमान है, 600 टन प्रतिवर्ष के दीर्घकालिक औसत से अधिक भंडार में 20 से 30 टन की अतिरिक्त वृद्धि से सोने की कीमतें में लगभग 1 प्रतिशत की वृद्धि होनी चाहिए। धन कोष, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों सहित लंबी अवधि के परिसंपत्ति धारक भी अपनी भागीदारी सोने में बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार यदि सोने की कीमत मौजूदा स्तर से 10 से 15 प्रतिशत तक गिरती है, तो आगे की गिरावट सीमित रहने की संभावना है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से सोने की कीमतें गिरने से खरीदारी को बढ़ावा मिलता है।

टी20 में भारतीय टीम की लगातार नाकामी पर बीसीसीआई सख्त, इंग्लैंड दौरे के बाद होगी प्रदर्शन की समीक्षा

मुंबई,एजेंसी। टी20 विश्व कप चैंपियन भारत की लगातार खराब फॉर्म के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने बड़ा फैसला लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज गंवाने के बाद बोर्ड ने पुरुष टी20 टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा करने का ऐलान किया है। यह समीक्षा इंग्लैंड दौरे के खत्म होते ही होगी, जिसमें लगातार दो टी20 सीरीज हारने के कारणों और टीम की कमियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पुरुष टी20 टीम इस समय खराब दौर से गुजर रही है। ऐसे में इंग्लैंड दौरा समाप्त होने के बाद टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा, श्स्थिति बिल्कुल साफ है। इंग्लैंड और उससे पहले आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसलिए सीरीज खत्म होने के बाद हम समीक्षा करेंगे। टीम किन समस्याओं का सामना कर रही है, इसका विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा और उन्हें दूर करने की कोशिश की जाएगी। सैकिया ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ 19 जुलाई को समाप्त होने वाली वनडे सीरीज के तुरंत बाद समीक्षा बैठक होगी। भारत ने पहले आयरलैंड के खिलाफ पहली बार किसी टी20 द्विपक्षीय सीरीज में 0–2 से हार झेली। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर भी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारत को नौ विकेट से हार मिली, जिसके साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त बना ली। ब्रिस्टल टी20 में कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 80 रन की पारी को छोड़ दें तो बाकी बल्लेबाज खराब शॉट चयन के कारण बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत ने 158ध्7 का स्कोर बनाया, जिसे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक (नाबाद 79) और फिल सॉल्ट (नाबाद 59) ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। भारत को अब शनिवार को साउथम्प्टन के रोज बाउल में खेले जाने वाले पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। यदि टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी गंवा सकती है। इसके बाद भारत 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के फैसलों का असर उस दौरे से पहले टीम पर दिखाई देता है या नहीं।

आइसलैंड क्रिकेट ने फिर उड़ाया भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर का मजाक, इस बार क्या कहा ?

ब्रिस्टल,एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज गंवाने के बाद टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन का असर अब सोशल मीडिया

पर भी देखने को मिल रहा है। भारत की नौ विकेट से हार के बाद आइसलैंड क्रिकेट के आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट ने मुख्य कोच गौतम गंभीर और भारतीय टीम पर तंज कसते हुए दो पोस्ट किए, जो देखते ही देखते वायरल हो गए। ब्रिस्टल टी20 से पहले आइसलैंड क्रिकेट टीम ने पोलैंड–ए के खिलाफ 20 ओवर में 158/7 का स्कोर बनाया था। संयोग से भारत ने भी इंग्लैंड के खिलाफ ठीक 158/7 रन बनाए। इस पर आइसलैंड क्रिकेट ने एक्स पर लिखा, श्आज हमने पोलैंड–ए के खिलाफ 158/7 रन बनाए। अब भारत ने भी इंग्लैंड के खिलाफ बिल्कुल यही स्कोर बनाया है। आखिर इसका मतलब क्या है? भारत की हार के करीब एक घंटे बाद आइसलैंड क्रिकेट ने एक और पोस्ट किया, जिसमें गौतम गंभीर का मजाक उड़ाया गया। पोस्ट में लिखा गया, ब्रिस्टल में चौके–छक्कों की बारिश हो रही है। इस बीच गौतम गंभीर का कोई पता नहीं है। हालांकि, इतना जरूर जानते हैं कि वह पोलैंड में हमारी पुरुष टीम के साथ नहीं हैं।

आइसलैंड क्रिकेट के दोनों पोस्ट को हजारों लोगों ने देखा और पसंद किया। इन पर कई यूजर्स ने भी मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। टी20 विश्व कप चौंपियन भारत के लिए यह दौरा अब तक बेहद निराशाजनक रहा है। टीम पहले आयरलैंड के खिलाफ पहली बार टी20 द्विपक्षीय सीरीज 0–2 से हारी और अब इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज गंवा चुकी है। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158/7 रन बनाए।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 80 रन की पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। जवाब में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक (नाबाद 79) और फिल सॉल्ट (नाबाद 59) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत लक्ष्य सिर्फ 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। पांच मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 3–0 की अजेय बढ़त बना चुका है। अब शनिवार को साउथम्प्टन में होने वाले आखिरी टी20 मुकाबले में भारत की नजर हार का सिलसिला रोकने पर होगी। यदि टीम यह मैच भी हारती है तो इंग्लैंड सीरीज 4–0 से अपने नाम कर लेगा। इस दौरे पर ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। युवा वैभव सूर्यवंशी भी तीन मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना सके हैं। वहीं शिवम दुबे ने पिछले तीन मुकाबलों में सिर्फ 29 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भी अर्शदीप सिंह को छोड़कर बाकी गेंदबाज प्रभाव नहीं छोड़ सके।

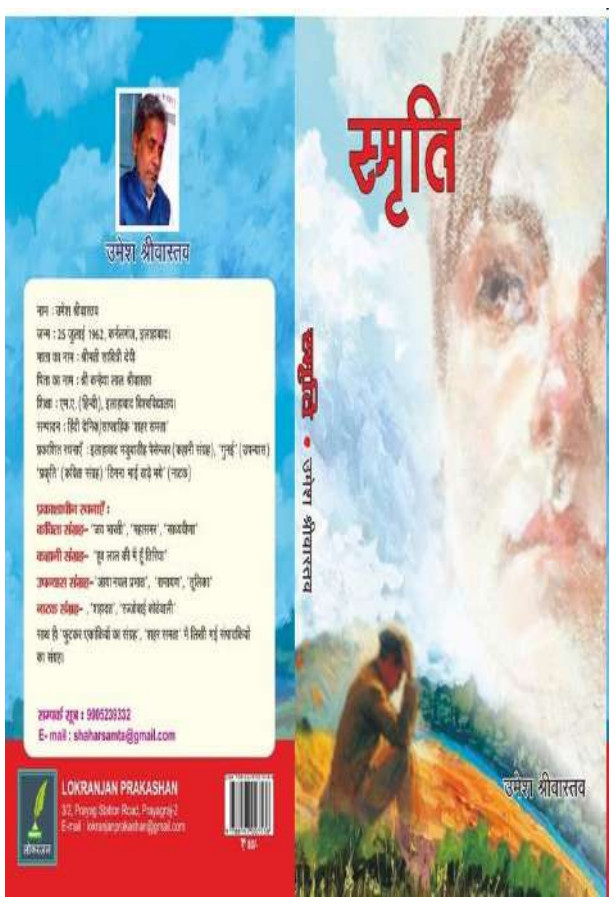

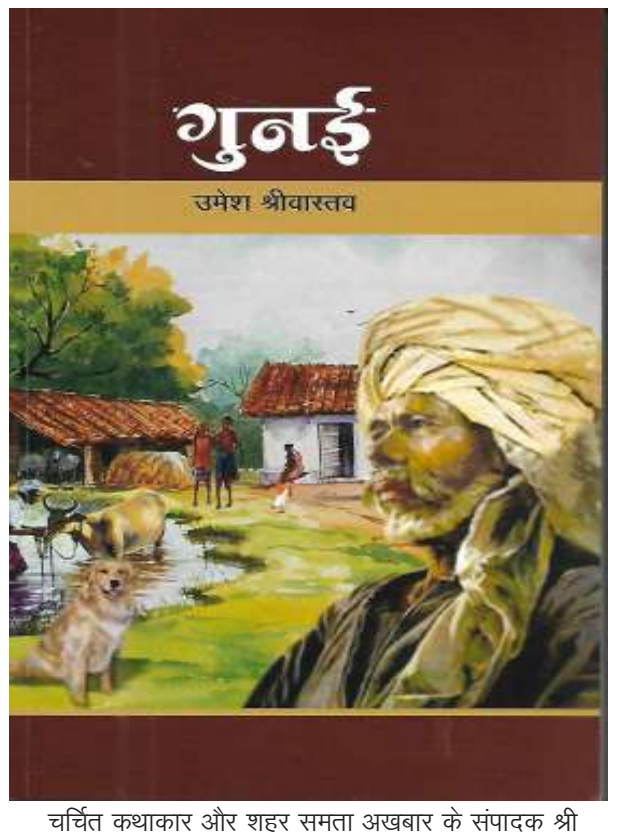

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

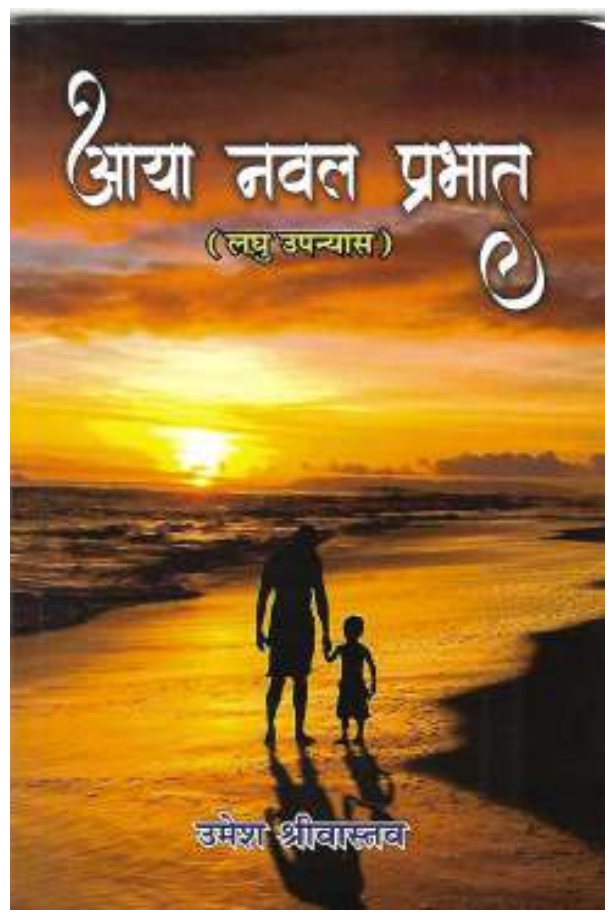

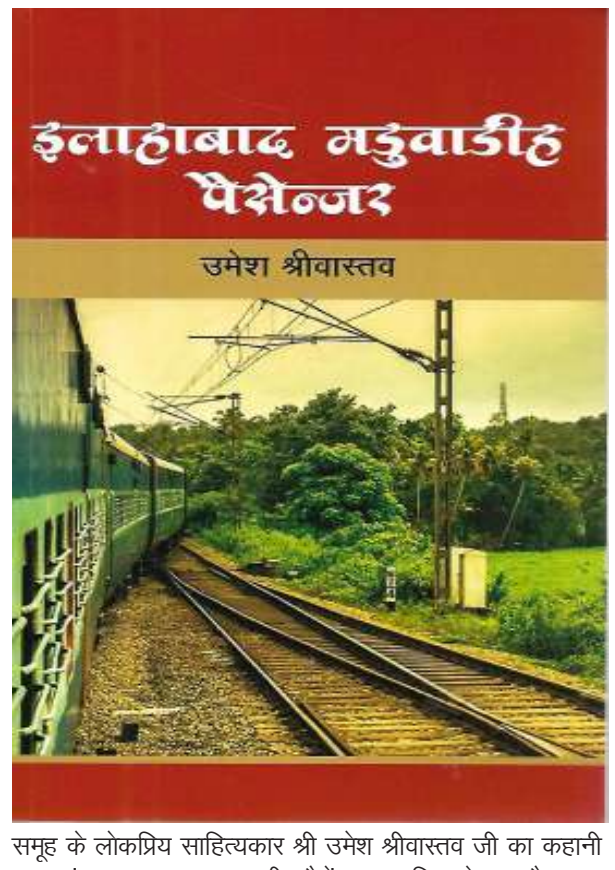

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

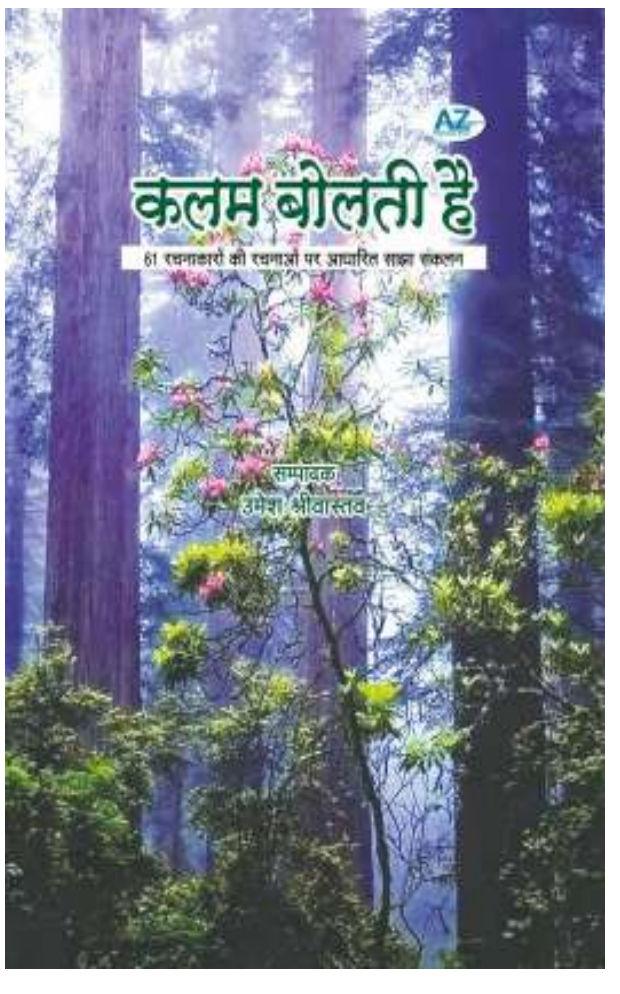

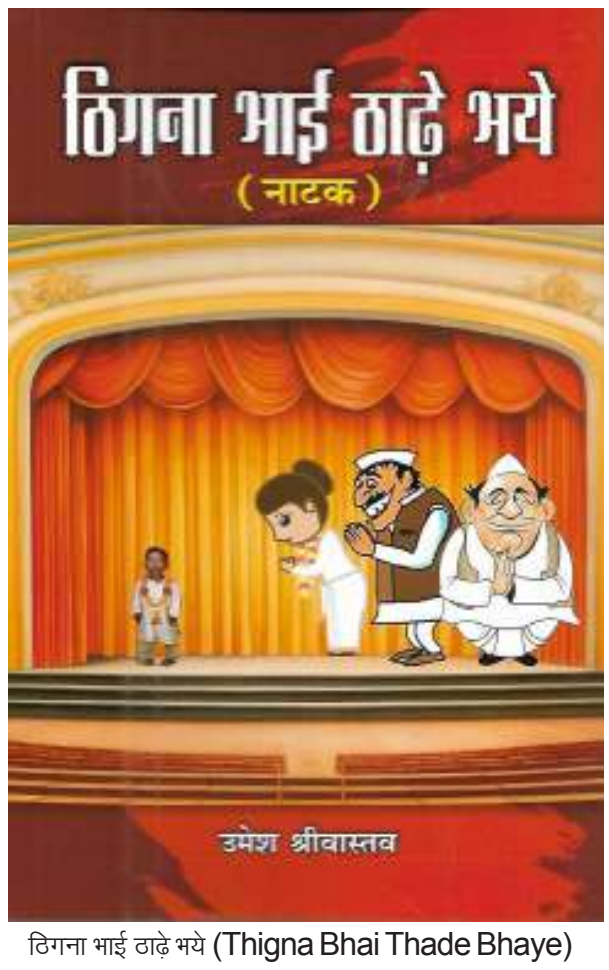

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ओवल ऑफिस में एक गुप्त बैठक और टूट गया युद्ध विराम, आखिर किस बात ने नाराज ट्रंप ने दिया हमले का आदेश ?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान बीच शांति समझौता लंबे समय की बातचीत का नतीजा था और इसे एक बड़ी कूटनीतिक सफलता माना गया था। हालांकि युद्धविराम के महज दो सप्ताह बाद ही आखिर ऐसा क्या हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक ईरान पर हमले का आदेश दे दिया? वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नाटो सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अंकारा रवाना होने से पहले ओवल ऑफिस में एक गुप्त बैठक हुई। इस बैठक के बाद अमेरिका ने अपनी रणनीति पूरी तरह से बदलते हुए ईरान पर फिर से हमले करने का फैसला किया। होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले से नाराज हुए ट्रंप द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, हॉर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर ईरान के हमलों से जुड़ी नई खुफिया जानकारी मिलने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप समझ गए कि तेहरान युद्धविराम समझौते का पालन नहीं कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के विमान एयर फोर्स वन के अंकारा पहुंचने तक व्हाइट हाउस ने समझौते से पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। ट्रंप के तुर्किए रवाना होने से पहले ही हमले को लेकर हो गया था फैसला

रिपोर्ट में कहा गया है कि सोमवार शाम ट्रंप के तुर्किए रवाना होने से ठीक पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ओवल ऑफिस पहुंचे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रपति को जानकारी दी कि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी समुद्री मार्ग से गुजर रहे वाणिज्यिक जहाजों पर एंटी–शिप क्रूज मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है। कुछ ही घंटों के भीतर तीन जहाजों को निशाना बनाए जाने की खबर है, जिनमें एक एलएनजी टैंकर भी शामिल था।

बैठक में क्या हुआ? रिपोर्ट के अनुसार, इस खुफिया ब्रीफिंग से ट्रंप बेहद नाराज हो गए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ईरान वास्तव में स्थायी समझौते को लेकर गंभीर है? राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन विचार–विमर्श के बाद ट्रंप इस फैसले पर पहुंचे कि तेहरान अब ईमानदारी से समझौते का पालन नहीं कर रहा। इस फैसले को ईरान को लेकर वॉशिंगटन की रणनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इसके कुछ ही घंटों के भीतर ट्रंप प्रशासन ने अंतरिम शांति समझौते के तहत ईरान को दी गई कई रियायतें वापस लेना शुरू कर दिया। व्हाइट हाउस ने तुरंत ईरान को तेल बेचने की अनुमति रद्द कर दी, हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास ईरानी ठिकानों पर लगातार सैन्य हमलों को मंजूरी दी और चेतावनी दी कि यदि तनाव जारी रहा तो नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने विशेष रूप से पानी साफ करने वाले संयंत्रों और बिजली प्रतिष्ठानों पर हमले की चेतावनी दी, हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ऐसे कदम उठाने की नौबत नहीं आएगी। ट्रंप ने ईरानी प्रशासन को बताया धोखेबाज

अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने साफ कहा कि अब उन्हें नहीं लगता कि यह कूटनीतिक समझौता आगे टिक पाएगा। उन्होंने कहा, श्मेरे हिसाब से यह समझौता खत्म हो चुका है। मैं अब उनसे कोई बातचीत नहीं करना चाहता। वे झूठे हैं, ध गोखेबाज हैं और बेहद खराब लोग हैं। ईरान ने अमेरिका पर लगाए ये आरोप दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिकी दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। एक ईरानी राजनयिक ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल से कहा कि अमेरिका ने तेहरान से समन्वय किए बिना हॉर्मुज जलडमरूमध्य में एकतरफा समुद्री मार्ग स्थापित कर समझौते का उल्लंघन किया। राजनयिक का कहना था कि यह कदम दोनों पक्षों के बीच हुए सहमति पत्र (एमओयू) का उल्लंघन था और इसी कारण उस मार्ग का उपयोग करने वाले जहाजों के खिलाफ ईरान की कार्रवाई सही थी। आरोप है कि, अमेरिकी नौसेना पिछले कई सप्ताह से ओमान के तट के साथ दक्षिणी समुद्री मार्ग से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों की गोपनीय रूप से मदद कर रही थी। अमेरिकी निगरानी में 125 से अधिक जहाज इस मार्ग से सुरक्षित गुजर चुके थे। बताया गया कि मुख्य रूप से रात के समय जहाजों को निकाला गया और इस दौरान जहाजों ने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एआईएस) बंद रखे और नौसैनिक जहाजों तथा शिपिंग ऑपरेटरों के साथ सीधे रेडियो संपर्क में रहे। अमेरिका की धमकी– वे जहाजों पर गोली चलाएंगे तो हम करारा जवाब देंगे अमेरिकी सेना ने दो दिनों के भीतर ईरान के 170 से अधिक सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि यदि परिस्थितियां बनी रहीं तो सैन्य अभियान का दायरा और बढ़ाया जाएगा तथा अमेरिका और अधिक तथा और गहराई तक हमले करेगा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी मिलवॉकी में एक राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान प्रशासन के कड़े रुख को दोहराया। उन्होंने कहा, श्संदेश बिल्कुल साफ है। अगर वे जहाजों पर गोली चलाएंगे, तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

संक्षिप्त

ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है ईरान? इस्राइल के दावे से हड़कंपय पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि इस्राइल की सरकार ने अमेरिका के साथ एक खुफिया सूचना साझा की है। इस सूचना के तहत ईरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारने की साजिश रच रहा है। अगर इस्राइल की इस खुफिया सूचना की पुष्टि होती है तो यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच पहले ही तनाव बढ़ा हुआ है और दोनों तरफ से एक दूसरे के ठिकानों पर हवाई हमले किए जा रहे हैं। कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेना चाहता है ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर ने कुद्स फोर्स के पूर्व कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने की कसम खाई हुई है। कासिम सुलेमानी की हत्या डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में हुई थी। चूंकि ट्रंप ने ही कासिम सुलेमानी की हत्या के लिए ड्रोन हमले का आदेश दिया था, इसलिए ईरान की आईआरजीसी सेना ट्रंप को इसके लिए जिम्मेदार मानती है।

वहीं बीती 28 फरवरी को अमेरिकी हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ट्रंप ईरान के चरमपंथियों की हिटलिस्ट में पहले नंबर पर हैं। एक अन्य अमेरिकी अखबार सीएनएन ने भी इस रिपोर्ट की पुष्टि की है और दावा किया है कि इस सप्ताह ही इस्राइल की तरफ से अमेरिका को खुफिया सूचना दी गई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियां भी ऐसे खतरे को लेकर सतर्क हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ट्रंप की ईरान के खिलाफ फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित करने के लिए भी इस्राइली खुफिया एजेंसियां ऐसा आकलन कर सकती हैं। ट्रंप भी कह चुके– उनकी जान को खतरा है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कई बार कह चुके हैं कि ईरान की तरफ से उनकी जान को खतरा है। तुर्किए के अंकारा में नाटो सम्मेलन से इतर मीडिया से बात करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि श्वे अमेरिकी नेताओं की जान लेना चाहते हैं और मुझे भी मारना चाहते हैं। मैं उनकी हिट लिस्ट में शीर्ष पर हूं। ट्रंप ने कहा कि मैं इस मामले में अभी तक भाग्यशाली रहा हूं, लेकिन हो सकता है कि ज्यादा समय तक भाग्य मेरा साथ न दे।श बेटी इवांका को मारने की साजिश का हुआ था भंडाफोड़ ऐसा नहीं है कि ईरान की तरफ से सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप को ही खतरा है। बीते माह अमेरिका से एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था। दावा किया गया कि वह शख्स ट्रंप की बेटी इवांका को मारने की साजिश रच रहा था। आरोपी मोहम्मद बाकर साद दाउद अलग सादी के पास से इवांका के घर का नक्शा भी बरामद किया गया था। आरोपी इराक का नागरिक है और ईरान की आईआरजीसी ने उसे ट्रेनिंग दी थी। जांच में पता चला था कि कासिम सुलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए आरोपी इवांका को मारना चाहता था।

इट हाउस में ट्रंप पर आतंकी हमले की थी साजिश? UFC शो में ड्रोन और स्नाइपर अटैक, क्या था आतंकियों का प्लान?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस में आयोजित न्ध्ब शो पर ड्रोन और स्नाइपर के जरिए बड़े आतंकी हमले की कथित साजिश रचने के मामले में आठ लोगों पर हत्या और आतंकवाद की साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी कई सप्ताह से हथियार और विस्फोटक

जुटा रहे थे तथा कार्यक्रम के दौरान ड्रोन हमला और उसके बाद भीड़ पर गोलीबारी की योजना बना चुके थे। समय रहते कार्रवाई कर इस साजिश को विफल कर दिया गया। क्या आरोपियों पर दो अलग–अलग साजिशों के आरोप लगाए गए हैं? ओहायो में दायर आरोप पत्र के मुताबिक, सभी आठ आरोपियों पर दो अलग–अलग साजिशों के आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप आतंकवादियों को जरूरी संसाधन और सहायता उपलब्ध कराने का है, जबकि दूसरा आरोप संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में हत्या करने और संघीय सरकार के अधिकारी की हत्या की साजिश रचने का है। कैसे शुरू हुई थी इस हमले की तैयारी? आरोप पत्र के अनुसार, इस साजिश की शुरुआत मई में हुई थी। जांच में सामने आया कि इस दौरान आरोपियों ने पैसे, हथियार, गोला–बारूद, बॉडी आर्मर, विस्फोटक, ड्रोन, मेडिकल उपकरण, संचार उपकरण और अन्य जरूरी सामान जुटाना शुरू कर दिया था ताकि हमले को अंजाम दिया जा सके। सुरक्षा एजेंसियों को खतरे की भनक कब लगी? 10 जून को कानून प्रवर्तन एजेंसियों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी वाले UFC केज–फाइटिंग शो पर संभावित हमले की जानकारी मिली। यह सूचना मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के इस बड़े आयोजन से चार दिन पहले मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। जांच में क्या खुलासा हुआ?न्याय विभाग ने पिछले महीने देश भर के सात लोगों पर संघीय आरोप लगाए थे। इनमें ओहायो, मिसौरी, वाशिंगटन, नेब्रास्का और कैलिफोर्निया के निवासी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इस समूह के सदस्य कई अजीबोगरीब साजिशी सिद्धांतों पर भरोसा करते थे और उनका मानना था कि इस हमले से अमेरिकी सरकार को अस्थिर किया जा सकता है। हमले की योजना क्या थी?

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

राष्ट्रपति महमूद अब्बास का बड़ा फैसला: 20 साल बाद फलस्तीन में होंगे चुनाव, जानें कब डाले जाएंगे वोट ?

एजेंसी/फलस्तीनी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने घोषणा की है कि चुनाव इस साल के नवंबर के अंत में आयोजित किए जाएंगे, जो 2006 के बाद पहली बार होंगे। समाचार एजेंसी वफा के अनुसार, राष्ट्रपति अब्बास ने एक अध्यादेश जारी कर शनिवार, 28 नवंबर, 2026 को यरुशलम, वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी सहित सभी फलस्तीनी क्षेत्रों में चुनाव कराने की तारीख निर्धारित की है। राष्ट्रपति अब्बास ने क्या कहा?

वाफा ने बताया कि राष्ट्रपति ने एक फरमान के माध्यम से फलस्तीनी लोगों से तय तिथि पर फलस्तीनी विधान परिषद के सदस्यों का चुनाव करने के लिए स्वतंत्र और प्रत्यक्ष चुनावों में भाग लेने का आह्वान किया है। फरमान का उद्देश्य क्या है?

इस फरमान का उद्देश्य श्लोकतंत्र की नींव को मजबूत करना और फलस्तीनी राज्य में शुरू हुई चुनावी प्रक्रिया को पूरा करना है।श अगर मतदान आगे बढ़ता है, तो यह 20 वर्षों में पहली बार होगा। फलस्तीनी क्षेत्र में अंतिम विधायी चुनाव 2006 में हुए थे, जब हमास ने अब्बास की फतह पार्टी को हराकर जीत हासिल की थी, जिसने पहले फलस्तीनी राजनीति पर अपना वर्चस्व कायम रखा था। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस हार के कारण पार्टी में फूट पड़ गई, जिसके वजह 2007 में हमास ने गाजा पर नियंत्रण कर लिया। चुनाव से पहले क्या बाधा?

परिणामस्वरूप, फलस्तीनी प्राधिकरण की संसद, फलस्तीनी विधान परिषद (पीएलसी), 2007 से नहीं मिली है। अल जजीरा के अनुसार, प्रस्तावित चुनाव आगे बढ़ने से पहले कई बाधाओं को दूर करना होगा। एक प्रमुख चिंता कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम में फलस्तीनियों की भागीदारी है, क्योंकि इस्राइल ने अभी तक इस घोषणा पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

2021 में चुनाव रद्द क्यों हुआ? उस क्षेत्र में मतदान के संबंध में गारंटी प्रदान करने में इस्राइल की विफलता के कारण 2021 में पहले से निर्धारित राष्ट्रपति और विधायी चुनाव रद्द कर दिए गए थे। इसके अलावा, गाजा में जारी संघर्ष रसद संबंधी महत्वपूर्ण बाधाएं उत्पन्न करता है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल सैन्य अभियान ने गाजा के लगभग 21 लाख निवासियों को आंतरिक रूप से विस्थापित कर दिया है। इसके 90 प्रतिशत से अधिक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है। जनसंख्या पंजीकरण को बाधित कर दिया है, जिससे वर्तमान में मतदान कराना असंभव हो गया है। इसके अतिरिक्त, अल जजीरा ने बताया कि राष्ट्रपति महमूद अब्बास, जो 2005 में चार साल के कार्यकाल के लिए चुने गए थे। वे दो दशकों से अधिक समय से सत्ता में बने हुए हैं। अध्यादेशों के माध्यम से उनके दीर्घकालिक शासन की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा आलोचना की गई है, जिन्होंने भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। हालांकि अब्बास ने पिछले महीने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव अगले साल की शुरुआत में होंगे, लेकिन उन्होंने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या उनका इरादा एक और कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का है।

वेनेजुएला में धरती थमी लेकिन नहीं थमा संकट: अब कौन सी नई परेशानी आई सामने ? 3811 पहुंची मृतकों की संख्या

एजेंसी/वेनेजुएला में पिछले महीने आए दो भीषण भूकंपों के बाद मानवीय संकट लगातार गहराता जा रहा है। राहत शिविरों में डायरिया, त्वचा रोग और मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने 13 लाख जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए 30 करोड़ डॉलर की अपील की है, जबकि स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन राहत और स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटे हैं। क्या अब राहत से ज्यादा स्वास्थ्य सेवाओं की जरूरत महसूस हो रही है? मदद की यह मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण अमेरिकी देश में सहायता की सख्त जरूरत वाले 13 लाख लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए करीब 30 करोड अमेरिकी डॉलर की अपील की है। यह वही देश है, जहां कुछ समय पहले तक गैर–सरकारी संगठनों को सरकारी दमन का सामना करना पड़ रहा था। सबसे ज्यादा प्रभावित उत्तरी राज्य ला गुआइरा में अब सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल किचन, अस्थायी क्लिनिक और फील्ड अस्पताल लोगों की मदद में जुटे दिखाई दे रहे हैं। राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने क्या कहा? वेनेजुएला के दौरे पर पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के राहत प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा,श्विस्थापन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है कि, खासकर दो सप्ताह बाद, लोग इसलिए आ रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी पुरानी बीमारियों का इलाज नहीं मिल पा रहा है। अब लोग सिर्फ फ्रैक्चर जैसी चोटों के साथ नहीं आ रहे, बल्कि लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए भी पहुंच रहे हैं। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि हम लगातार उनके साथ मौजूद रहें। ला गुआइरा राज्य के कैटिया ला मार इलाके में मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने गुरुवार को बताया कि त्वचा संबंधी बीमारियों और डायरिया के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी पुरानी बीमारियों की दवाओं की मांग भी लगातार बढ़ रही है। डॉक्टरों का मानना है कि भीडभाड वाले राहत शिविरों, साफ पानी की कमी और खराब स्वच्छता व्यवस्था के कारण इन बीमारियों का खतरा और बढ़ गया है। इनमें से कई समस्याएं भूकंप से पहले भी मौजूद थीं, लेकिन अब हालात और गंभीर हो गए हैं। इरमा एचारी इलाज के लिए क्यों पहुंचीं? इरमा एचारी चर्च के सामने सड़क के दूसरी ओर फुटपाथ पर खड़ी एक मोबाइल मेडिकल यूनिट में अपनी नियमित आई ड्रॉप और दर्द निवारक दवाओं के खाली डिब्बे लेकर पहुंचीं। उन्हें उम्मीद थी कि वहां मौजूद डॉक्टर उन्हें नई दवाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इसके साथ ही वह 24 जून को आए भूकंप के बाद नाक में बने लगातार दर्द की भी जांच कराना चाहती थीं। 67 वर्षीय एचारी ने अपनी बारी का इंतजार करते हुए कहा, ष्बहुत दर्द होता है। दर्द इसलिए होता है क्योंकि दर्द है। भूकंप के बाद कितनी तबाही हुई? एचारी का घर भले ही क्षतिग्रस्त नहीं हुआ, लेकिन उनके कई पड़ोसी अस्थायी आश्रयों या खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, लगातार आए भूकंपों में 3,811 लोगों की मौत हुई, 190 इमारतें पूरी तरह ढह गईं और 856 अन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार का अनुमान है कि करीब 18,000 लोग बेघर हो गए हैं। इनमें से कई लोग स्कूलों, फुटपाथों, पार्कों, प्लाजा और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रह रहे हैं। राहत अभियान में सबसे ज्यादा मदद कौन कर रहा है? संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि भूकंप के बाद अब तक सबसे ज्यादा सहायता अमेरिका की ओर से मिली है। हालांकि जमीनी स्तर पर राहत का अधिकांश काम स्थानीय संगठन कर रहे हैं, जो वैश्विक मानवीय संस्थाओं के साथ मिलकर प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचा रहे हैं। जुलबे रेयेस की कहानी क्या बयां करती है? बेघर हुए लोगों में जुलबे रेयेस भी शामिल हैं। उन्होंने वेनेजुएला के संगठन पालुज द्वारा इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के सहयोग से संचालित क्लिनिक में इलाज कराया।

लॉरेंस बिश्नोई पर यूएस की चार्जशीट: दस्तावेज में सलमान, सिद्धू मूसेवाला के नाम का जिक्र क्यों, आरोप कितने गंभीर ?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट में पेश किए अपनी चार्जशीट में लॉरेंस बिश्नोई और उसके छह साथियों के खिलाफ हत्या, रंगदारी, मानव तस्करी और ड्रग तस्करी समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपपत्र में दावा किया गया है कि बिश्नोई जेल में रहते हुए गैरकानूनी मोबाइल और VoIP डिवाइस के जरिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क चलाता था। चार्जशीट में हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड, सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड, सलमान खान को धमकियां, गिप्पी ग्रेवाल से रंगदारी और कैलिफोर्निया में सुनील यादव की हत्या सहित कई मामलों का उल्लेख किया गया है। अमेरिका ने जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई पर इतने गंभीर आरोप क्यों लगाए? गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई वर्ष 2015 से भारत की जेल में बंद है। पहली नजर में यह लग सकता है कि जेल में होने की वजह से 2022 से 2026 के बीच हुए अपराधों में अमेरिका उसे आरोपी नहीं बना सकता। लेकिन अमेरिकी न्याय विभाग (क्वश्र) ने बिश्नोई और उसके छह साथियों पर हत्या, जबरन वसूली, प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी समेत कई गंभीर अपराधों के आरोप लगाए हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड से जुड़ी सबसे सनसनीखेज घटनाओं में 2023 में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश का भी जिक्र किया गया है। यह खुलासा कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट में इस सप्ताह पेश किए गए दस्तावेजों में हुआ है। चार्जशीट में भारत में किए गए अपराधों को भी किया गया लिस्ट दस्तावेजों में बिश्नोई के सिंडिकेट, जिसे श्बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुपश कहा गया है, को अभिनेता सलमान खान के घर पर फायरिंग, पंजाबी अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल को धमकियां देने तथा सिद्धू मूसेवाला की हत्या का आदेश देने और उसे अंजाम तक पहुंचाने के लिए भी जिम्मेदार बताया गया है। कैसे बना बिश्नोई गैंग एक वैश्विक आपराधिक सिंडिकेट? न्याय विभाग के आरोपपत्र में कहा गया है कि बिश्नोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप के सदस्यों और सहयोगियों द्वारा की गई हिंसक घटनाओं में भारत और विदेशों में रहने वाले प्रमुख सांस्कृतिक, राजनीतिक और कारोबारी लोगों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी जांच के अनुसार समय के साथ बिश्नोई का गिरोह एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक सिंडिकेट में बदल गया, जिसका संचालन भारत से होता था, जबकि इसके सदस्य अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में फैले हुए थे। कैसे निर्देश देता है बिश्नोई? जांच में यह भी सामने आया कि बिश्नोई जेल की कोठरी से तस्करी कर लाए गए गैरकानूनी मोबाइल फोन और टवप्ड डिवाइस के जरिए अपने नेटवर्क को निर्देश देता था। आरोपपत्र में सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा को क्रमशः उत्तरी अमेरिका और यूरोप में गैंग का प्रमुख बताया गया है, जबकि सुखराज सिंह कांग भारत में इस नेटवर्क का मुख्य संचालक बताया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।